रांची, मंगलवार
10.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 97, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा की महिला सदस्यों ने की मुलाकात, महिला दिवस की दी शुभकामनाएं

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में विधानसभा की महिला सदस्यों ने मुलाकात की और उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सभी महिला सदस्यों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित महिला जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया और राज्य के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और समाज में उनकी भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और सुरक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

इस दौरान विधानसभा की महिला सदस्यों ने भी मुख्यमंत्री को राज्य में महिलाओं के उत्थान, सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव साझा किए। मुलाकात के दौरान महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने तथा राज्य के विकास में उनकी भूमिका को और मजबूत बनाने पर भी चर्चा की गई।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 12 को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 12 मार्च को प्रोजेक्ट भवन स्थित सभागार के मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। मंत्रिपरिषद् की बैठक विधानसभा के बजट सत्र की दूसरी पाली के बाद होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगने की संभावना है। यह जानकारी सोमवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने दी।

झारखंड में 11 मार्च तक बारिश और वज्रपात की संभावनं

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में 11 मार्च तक बारिश और वज्रपात की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 मार्च से मौसम साफ होने की उम्मीद है। सोमवार को रांची सहित कई जिलों में सुबह से ही बादल छाए रहे, जिससे धूप की तपिश कम महसूस की गई। मौसम विभाग ने 9, 10 और 11 मार्च को राज्य के उत्तर-पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, सोमवार को जिन जिलों में गर्जन के साथ बारिश की संभावना है, उनमें हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। 10 मार्च को बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज में भी आंधी-तूफान आने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रवि लामिछाने और बालेन को फोन कर बधाई दी

काठमांडू। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के हालिया चुनावों में शानदार जीत के बाद राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के अध्यक्ष रवि लामिछाने और वरिष्ठ नेता बालेन शाह से फोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर दी जानकारी में बताया कि उन्होंने रास्वपा के अध्यक्ष रवि लामिछाने और पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेन्द्र शाह से गर्मजोशी भरी टेलीफोन बातचीत की। उन्होंने दोनों नेताओं को उनकी चुनावी जीत और नेपाल के चुनाव में रास्वपा की बड़ी सफलता पर बधाई दी। मोदी ने अपने संदेश में कहा कि उन्होंने नेपाल में बनने वाली नई सरकार के लिए शुभकामनाएं दीं और भारत की ओर से यह भरोसा भी जताया कि दोनों देशों के बीच पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और जनकल्याण के लिए मिलकर काम किया जाएगा।

झारखंड का भविष्य बनाने के लिए काम कर रही सरकार : कल्पना

बिभा संवाददाता

रांची। विधानसभा बजट सत्र के दौरान सदन में सोमवार को बजट के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार की बजट में वृद्धि और विकास होने के बावजूद विपक्ष को परेशानी होती है, जबकि अबुआ सरकार राजनीति नहीं बल्कि झारखंड का भविष्य बनाने के लिए काम कर रही है। जब से गठबंधन की सरकार बनी है, तब से राज्य का बजट 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर एक लाख 58 हजार करोड़ रुपये हो गया है। यानी बजट में करीब 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोरोना काल जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद झारखंड की आर्थिक विकास दर प्रभावित नहीं हुई और राज्य ने लगातार प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि हमारा अबुआ दिशोम बजट सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि झारखंड का भविष्य, आकांक्षा और स्वाभिमान है। बजट केवल कागजों या आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। राज्य की आधी आबादी युवा, बुर्जुग माताएं बहने हर वर्ग के लिए यह बजट है। बजट की बड़ी राशि, युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में खर्च की जाएगी।

कल्पना सोरेन ने शिक्षा के क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के 40 विद्यार्थियों ने जेईई परीक्षा में सफलता हासिल की है। इससे स्पष्ट होता है कि सही नीतियों का परिणाम जमीन पर दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि राज्य में सड़कों का जाल भी तेजी से बढ़ा है और सड़कों की लंबाई 5000 किलोमीटर से बढ़कर 15000 किलोमीटर हो गई है।

रेलवे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि रेलवे के संचालन में झारखंड की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए केंद्र सरकार से आग्रह है कि झारखंड से जुड़ी रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि यह बजट राज्य के भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसके क्रियान्वयन में विपक्ष को भी सहयोग करना चाहिए।

ईरान ने मोजतबा खामेनई को अपना सर्वोच्च नेता चुना

तेहरान/ तेल अवीवः इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने सोमवार को मोजतबा खामेनई को अपना नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी (एमएनए) ने बताया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की विशेषज्ञों की परिषद (असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स) ने सोमवार तड़के अयातुल्ला सैय्यद मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक क्रांति का तीसरा नेता घोषित किया। आठ सितंबर 1969 को मशहद में जन्मे मोजतबा खामेनेई, अली खामेनेई के दूसरे बेटे हैं। उनका चुनाव 88 सदस्यीय 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने किया। वह ईरान के राजनीतिक हलके में एक चर्चित शख्सियत हैं, तथा ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के बीच भी काफी लोकप्रिय हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मिलकर वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के बारे में दी जानकारी

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न विकास और लोक-कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस और यूनाइटेड किंग्डम की अपनी हालिया यात्रा के संबंध में भी अवगत कराते हुए कहा कि इस दौरान राज्य की निवेश-उन्मुख नीतियों एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता को वैश्विक समुदाय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा के परिणामस्वरूप राज्य को विभिन्न निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए, जो औद्योगिक विविधीकरण, रोजगार सृजन, कौशल विकास और आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर विधानसभा सदस्य कल्पना सोरेन और राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी उपस्थित थे।

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प, शिक्षा-स्वास्थ्य-खेल प्रमुख क्षेत्र : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ, सबका विकास -जन आकांक्षाओं की पूर्ति विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार श्रृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है। पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है।

शेष पेज 11 पर

रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालु से मारपीट का वीडियो वायरल, चार पुलिसकर्मी निलंबित

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध रजरप्पा मंदिर परिसर में एक श्रद्धालु के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने सोमवार को चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रजरप्पा थाना क्षेत्र स्थित रजरप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे एक श्रद्धालु ने मंदिर के निकास द्वार से प्रवेश करने की कोशिश की। उस समय निकास द्वार पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे रोक दिया। इसी दौरान श्रद्धालु और पुलिसकर्मियों के बीच पहले बहस और गाली-गलौज हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया।

मामले की जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी-मुख्यालय) सह प्रभारी एसडीपीओ चंदन वत्स को जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की भौतिक जांच की और संबंधित लोगों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि निकास द्वार पर तैनात पुलिसकर्मियों को स्थिति को संयम और धैर्य के साथ संभालना चाहिए था, लेकिन उन्होंने अपना आपा खो दिया और श्रद्धालु के साथ मारपीट की।

जांच में दोषी पाए जाने के बाद आरक्षी श्याम लाल महतो, राधेश्याम कुजूर, बहादुर उरांव और जॉनसन सुरीन (सभी आरक्षी सैट-112, कैम्प रजरप्पा, झारखंड सशस्त्र पुलिस-04, बोकारो) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान सभी का मुख्यालय झारखंड सशस्त्र पुलिस-04 बोकारो निर्धारित किया गया है। साथ ही रक्षित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि मामले में आरोप-प्रारूप तैयार कर समादेष्टा, झारखंड सशस्त्र पुलिस-04 बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस घटना से आम जनता के बीच पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचा है, जो अत्यंत खेदजनक है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों से अनुशासन, धैर्य और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है और इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत का पश्चिम एशिया संकट पर पैनी नजर नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर सोमवार को कहा कि भारत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की ओर लौटने का समर्थक है और क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर देता है।

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी ओर से राज्यसभा में दिए गए बयान में कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमले करने और तेहरान के अमेरिकी ठिकानों तथा इजराइल पर जवाबी हमलों के बाद भारत सरकार के लिए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।

जयशंकर ने कहा, भारत शांति के पक्ष में है और संवाद व कूटनीति की ओर लौटने की अपील करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की वकालत करते हैं। क्षेत्र में भारतीय समुदाय का कल्याण और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, और हमारे राष्ट्रीय हित हमेशा सर्वोपरि रहेंगे।

उन्होंने बताया कि भारत ने शुरू से ही चिंता व्यक्त की और सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति ही इस संकट को हल करने का एकमात्र ठोस रास्ता है। विपक्षी सदस्यों ने पश्चिम एशिया में संघर्ष के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया। आसन से चर्चा की अनुमति न मिलने पर वे सदन से बहिर्गमन कर गए।

जयशंकर ने कहा कि सरकार क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर करीब से नजर रख रही है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा देश के रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इजराइल-अमेरिका ने ईरान पर हमले किए और तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। यह संघर्ष 28 फरवरी से चल रहा है। इस दौरान खाड़ी देशों पर हमले हुए और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। जयशंकर ने कहा कि मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और खाड़ी देशों में रहने वाले बड़े भारतीय समुदाय की सुरक्षा की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं, जबकि कुछ हजार भारतीय ईरान में अध्ययन या रोजगार कर रहे हैं। "यह देखते हुए क्षेत्रीय स्थिरता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाड़ी क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार के लिए भी अहम है, जिसका व्यापार लगभग 200 अरब अमेरिकी डॉलर का है।"

चुनावी हिंसा पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाएगा आयोग : ज्ञानेश कुमार

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति शून्य सहनशीलता की होगी।

कोलकाता में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य विभिन्न राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सुनना तथा चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने के लिए लगभग 15 मिनट का समय दिया गया।

बैठक में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद थे। राज्य स्तरीय दलों में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान कुछ दलों ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सराहना भी की। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, कुछ प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने में मदद करेगी।

शेष पेज 11 पर

रिश्तेदारों ने 17 एकड़ जमीन पर कब्जा करने के लिए सुकरा महतो को मरवायी गोली, पांच गिरफ्तार

हत्याकांड का मुख्य शूटर विकास महतो के साथ बिनोद महतो, रामप्रसाद महतो, सिकन्दर महतो और रामू महतो को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल.

हत्याकांड में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल और देसी कट्टा को कूदा जंगल से किया बरामद.

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा थाना अंतर्गत टिमडा गाँव शुक्रवार 6 मार्च की रात 7.30 बजे के आसपास बाइक सवार अपराधियों ने सुकरा महतो को गोली मारकर हत्या कर दी थी। सथ ही, उसका छोटा बेटा अर्जुन महतो पर भी गोली चलाकर जानलेवा हमला कर दिया था जिससे अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया था घायल अर्जुन का उपचार रांची का रिम्स में चल रहा है।

गोलीबारी की घटना के बाद मृतक सुकरा के परिजनों के आवेदन पर हत्याकांड का मामला दर्ज कर विशेष अनुसंधान छापामारी दल गठित किया था जिसमें जरिया गढ़ और मुरहू थाना के थानेदार को इस अनुसंधान दल में शामिल किया गया था। जिसके कारण पुलिस दो दिनों बाद ही 13 अभियुक्तों में पाँच लोगों को गिरफ्तार किया जा सका।

गिरफ्त में आए हत्याकांड के अभियुक्तों ने बताया कि टिमडा गाँव में सुकरा महतो के हिस्सा का जमीन उसके पुत्र नहीं होने के कारण 17 एकड़ पुश्तैनी जमीन को लेने के लिए ही सुकरा महतो को मारा है। क्योंकि सुकरा अपने गाँव छोड़कर ससुराल टिमड़ा में बसकर जमीन का उपयोग करने के कारण पूरे परिवार की हत्या करने का योजना था। उनके पास से एक देशी कट्टा और प्रयुक्त वाहन को भी सीज कर लिया गया है।

एसपी मनीष टोप्पो ने प्रेस वार्ता में बताया कि पाँच लोग पकड़ाये हैं जिसमें विकास महतो मुख्य शूटर है और अन्य चार लोग साजिशकर्ता हैं। विकास के साथ अन्य दो लोग और हैं जो एक बाईक में सवार थे और तीनों के पास एक एक देशी कट्टा था। उसका भी पता चल गया है। जिसकी छापामारी किया जा रहा है। साथ ही साजिशकताओं में छह लोग फरार हैं जिन्हें भी जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

हत्याकांड में शामिल सात अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापामारी अभियान चला रही है। हत्याकांड के मामले में शामिल 13 लोगों के विरुद्ध कर्रा थाना में मामला दर्ज किया गया था।

छापामारी टीम में पु०नि० अशोक कुमार सिंह, तोरपा अंचल सह थाना प्रभारी खूँटी, पुअनि विरेन्द्र कुमार, थाना प्रभारी, जरियागढ़, पुअनि नोएल गोडविन केरकेट्टा,थाना प्रभारी मुरहू, पुअनि दीपक कान्त कुमार कर्रा थाना, पुअनि जुगेश सिंह कर्रा थाना, पुअनि जितेन्द्र राम, कर्रा थाना और सशस्त्र बल शामिल थे।

आधी रात को जंगली हाथी ने घर तोड़कर खाया अनाज, परिवार की बढ़ी परेशानी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के रनिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुदरवर्ती जंगली इलाकों में जंगली हाथी का का उपद्रव बढ़ने से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

इस दौरान एक जंगली हाथी रविवार की देर रात जंगल से भटककर उलूंग गाँव पहुँचा और दानियल कण्डुलना के कच्चे खपरैल मकान को तोड़कर अंदर रखे चावल, धान , आलू सहित अन्य खाद्य सामग्रियों को खाया और तितर-बितर कर दिया ?। वहीं जंगली हाथी के द्वारा मकान को तोड़ने से मकान का मलबा दैनिक उपयोगी सामग्री और घर के अंदर खड़े स्कूटी और मोटरसाइकिल में गिर गया जिससे भारी नुकसान हुआ है। आधी रात को इस बड़ी घटना से परिवार बाल बाल बच गये ने ही तो परिजन अगर मलबे में दब जाते तो परेशानी और भी बढ़ जाती। लेकिन घर तोड़े जाने से पीड़ित परिवार की परेशानी बढ़ गयी है।

जंगली हाथी के द्वारा पहुँचाये गए नुकसान की जानकारी पर वन विभाग के कर्मी पीड़ित परिवार से मुलाकात कर क्षति का जायजा लिया और हाथी भगाने के लिए पटाखा प्रदान किया। साथ ही, मुआवजा भुगतान का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

चैंबर ऑफ कॉमर्स में महिला सम्मान समारोह का आयोजन

जमशेदपुर(बिभा)। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार अपराध रोधी संगठन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बिष्टुपुर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता विनीता मिश्रा एवं पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद संगठन के सदस्यों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, पौधा, शॉल एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश साह के साथ आदित्यपुर नगर निगम की उप आयुक्त पारुल सिंह, जज, एमएस प्रतियोगिता में लगातार जीत दर्ज करने वाली श्रेया अधर, सदर अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पांडे, दंत चिकित्सक जसवीर कौर, अधिवक्ता तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की महिला पत्रकारों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। समाज में जनहित के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए संगठन की फातिमा शाहीन, गीता सिंह, मनजीत कौर, बी. लक्ष्मी, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, रवि, पुष्पराज तथा सामाजिक संस्था समर्पण की टीम को भी प्रशस्ति पत्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अर्चना सिंह ने संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन को और अधिक मजबूत शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

मानगो मेयर सुधा गुप्ता के बनते ही मानगो क्षेत्र में सफाई अभियान तेजी

जमशेदपुर(बिभा) : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष सह पश्चिम विधानसभा पूर्व विधायक बन्ना गुप्ता के प्रतिनिधि अंसार खान नाली सफाई कराने के लिए जवाहर नगर रोड नंबर 13 बी नीचे में पहुंचे। अंसार खान ने बताया कई दिनों से बस्ती के लोगों का शिकायत मिल रहा था की जवाहर नगर से नमस्ते नाले का गंदा पानी घर में घुस गया है जिससे घर में रहना मुश्किल हो गया जब सर्वे करने के लिए रोड नंबर 13 पहुंचे तो देखा नाले के ऊपर कचरे का रोड बना हुआ है। अंसार खान ने इसकी जानकारी मानगो नगर निगम के सिटी मैनेजर निशात कुमार को दिया। आज सिटी मैनेजर निशात कुमार ने नाला सफाई के लिए लेबरों को भेज सभी बस्ती वालों को बुलाकर कहा आज के बाद किसी ने भी कचरा अगर नाले में डाला गया तो नाले का सारा कचरे को उसी के घर में वापस डाल दिया जाएगा इसके जिम्मेदार वही घर वाला होगा। जिसने कचरा नाले में डाला है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ऐतिहासिक जीत पर एसीसी पब्लिक स्कूल में जश्न, बच्चों ने लहराया तिरंगा

खलारी(बिभा)। खलारी प्रखंड स्थित एसीसी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों और शिक्षिकाओं ने मिलकर टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की शानदार जीत की खुशी में विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।इस अवसर पर बच्चों ने तिरंगा लहराते हुए भारतीय टीम के समर्थन में देशभक्ति के नारे लगाए और एक-दूसरे को बधाई दी। छात्रों ने भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनकी मेहनत और जज्बे को प्रेरणादायक बताया।विद्यालय की शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों के साथ इस खुशी को साझा करते हुए कहा कि भारतीय टीम की यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बच्चों को बताया कि खेल हमें अनुशासन, टीमवर्क और कड़ी मेहनत का महत्व सिखाते हैं।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। बच्चों ने तिरंगा लेकर खुशी जाहिर की और टीम इंडिया की जीत पर गर्व व्यक्त किया। अंत में सभी ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डुमरिया के अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का मुद्दा विधायक संजीव ने विस में उठाया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दिलाने के लिए पोटका के विधायक संजीव सरदार ने विधानसभा में महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने शून्यकाल के दौरान सीएचसी पोटका और डुमरिया प्रखंड अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति का मामला उठाया। विधायक संजीव सरदार ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए इन अस्पतालों में स्त्री रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग और शल्य चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण गंभीर मरीजों को इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर करना पड़ता है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विधायक संजीव सरदार की अनुपस्थिति में मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने सदन में उनका प्रश्न पटल पर रखा. उन्होंने सरकार से मांग की कि पोटका और डुमरिया अस्पतालों में जल्द विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को अपने ही इलाके में बेहतर इलाज की सुविधा मिल सके। पोटका और डुमरिया के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाया जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा से अब तक 335 परिवारों को मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2025-26 के दौरान पोटका के विधायक संजीव सरदार के तारांकित प्रश्न के जवाब में सरकार ने स्वीकार किया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 335 परिवारों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। विधायक संजीव सरदार की अनुपस्थिति में मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने सदन में उनका प्रश्न पटल पर रखा। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जवाब देते हुए मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि पूर्वी सिंहभूम जिले के उपायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा दिया गया है। 684 प्रभावित परिवारों का मामला उठाया विधायक संजीव सरदार ने अपने सवाल के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि पोटका क्षेत्र में कुल 684 परिवारों ने अतिवृष्टि के कारण घर क्षतिग्रस्त होने की शिकायत दर्ज कर आवेदन दिया था, लेकिन सभी को अब तक मुआवजा स्वीकृत नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की कि सभी पात्र परिवारों को जल्द राहत दी जाए। पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा क्षेत्र के पीड़ित परिवारों की आवाज विधानसभा में उठाए जाने से प्रभावित लोगों को उम्मीद जगी है कि शेष परिवारों को भी जल्द मुआवजा मिल सकेगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन परिसर में मासिक विदाई सह सम्मान समारोह यूनियन के गोपेश्वर हॉल में आयोजित की गई। यूनियन की ओर से अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद , बीके शर्मा, एच एस सैनी , अनिल शर्मा, अजय भगत, एमके सिंह, एस एन सिंह समेत तमाम यूनियन के पदाधिकारी, कमेटी मेंबर , आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य मौजूद थे।

अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद के द्वारा सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके कार्यरत क्षेत्र के कमेटी मेंबर्स व यूनियन पदाधिकारियों की उपस्थिति में शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर कर सम्मानित किया गया। श्री प्रसाद समेत अन्य यूनियन पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शुभकामनाएं दी।

इन सेवानिवृत्त कर्मियों को किया गया सम्मानित

टीएमएल ड्राइव लाईन से महेश कुमार सिंह, जीएस खान , विश्वजीत दास , सुरोजीत मुखर्जी, दिपांकर बरूआ, राम पुकार प्रसाद , माखन माझी । इंजन से अरूण कुमार सिंह। फाउंड्री से मानस चक्रवर्ती, रामाकांत प्रसाद। व्हीकल फैक्ट्री से रविशंकर प्रसाद, चंद्रभूषण सिंह, धनंजय राय। फ्रेम फैक्ट्री से प्रसेनजीत चटर्जी, विजय कुमार तिवारी।

महावीर नगर अस्पताल में हर शनिवार योग और प्राकृतिक चिकित्सा से होगा इलाज

बिभा संवाददाता

खलारी: पीएचसी खलारी के प्रभारी डॉ. इरशाद की पहल पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महावीर नगर, खलारी में अब स्थानीय लोगों को सप्ताह में एक दिन योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से उपचार की सुविधा मिल रही है। प्रत्येक शनिवार को यहां योग, आहार-विहार और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के जरिए मरीजों को परामर्श और उपचार दिया जाएगा।रांची डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के हेड तथा योगासन भारत चैंपियनशिप के विजेता योग विशेषज्ञ राहुल रंजन ने महावीर नगर अस्पताल में लोगों को योग, आहार-विहार, पंचकर्म और सत्कर्म चिकित्सा पद्धति के बारे में जानकारी देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वे मशीन और हाथ से थैरेपी देकर मरीजों को राहत भी प्रदान कर रहे हैं।राहुल रंजन ने बताया कि उन्होंने रांची विश्वविद्यालय से मास्टर इन योगिस्ट साइंस की पढ़ाई की है। वर्ष 2023 में उनकी बहाली बुढ़मू सीएचसी में हुई थी। वर्तमान में बुढ़मू सीएचसी के अंतर्गत उन्हें खलारी के राय और मैक्लुस्कीगंज सेंटर की जिम्मेदारी भी दी गई है।पीएचसी खलारी के प्रभारी डॉ. इरशाद ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके, इसके लिए राहुल रंजन को प्रत्येक शनिवार महावीर नगर अस्पताल में सेवा देने के लिए कहा गया है।उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली और खान-पान के कारण बीमारियां बढ़ रही हैं, ऐसे में योग और प्राकृतिक चिकित्सा से लोग स्वस्थ रह सकते हैं और कई रोगों से बचाव भी संभव है।

महिला दिवस पर गुरुजी विचार मंच के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कदमा स्थित गणेश पूजा मैदान में गुरुजी विचार मंच की ओर से एक गरिमामय महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रभावशाली और प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जुगसलाई नगर परिषद की अध्यक्ष नौशीन खान को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और सामाजिक तथा जनसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्थापक पवन सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता बबन राय और सुमन महतो ने नौशीन खान सहित कई महिलाओं को शॉल, मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर उनके कार्यों की सराहना की। समारोह में मानगो की पूर्व मेयर प्रत्याशी सहित अन्य सक्रिय और प्रेरणादायी महिलाओं को भी सम्मानित किया गया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज की महिलाएं न केवल पारिवारिक जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं, बल्कि राजनीति, सामाजिक सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में भी अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। समाज के विकास और सुदृढ़ता में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें सशक्त बनाना समय की प्रमुख आवश्यकता है।

इस अवसर पर जुगसलाई नगर परिषद की अध्यक्ष नौशीन खान ने सम्मान प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि सभी महिलाओं के संघर्ष और योगदान की स्वीकृति है।समारोह में बड़ी संख्या में महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

पलाश बेकरी ईकाई खूंटी को उत्कृष्ट कृषि आधारित के लिए किया गया सम्मानित

खूँटी (बिभा)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रांची जिले के नामकोम में लगे दो दिवसीय किसान मेला एवं स्वकृषि प्रदर्शनी में खूँटी की पलाश बेकरी युनिट ने भी स्वनिर्मित सामग्रियों का प्रदर्शनी सह दुकान लगायी थी। यह मेला 8 एवं 9 मार्च को लगे दो दिवसीय मेला में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबुबकर सिद्दीकी शामिल हुए। इस मेले में खूंटी जिला की ओर से ब्रांड पलाश के अंतर्गत संचालित दीदी बेकरी यूनिट का एक स्टॉल लगाया गया। जिसमें मड़ुवा से निर्मित निमकी, केक, सेब कुकीज, फ्रूट केक आदि उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई। इन उत्पादों को आगंतुकों द्वारा काफी सराहना मिली और इनकी अच्छी बिक्री भी हुई। साथ ही, बेकरी यूनिट को कृषि आधारित स्टार्टअप श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

कुसुम टोली में आकर्षक हनुमान मंदिर का ग्रामीणों ने किया निर्माण

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के कुसुम टोली में ग्रामीणों के सहयोग से श्रीरामदूत बजरंगबली जी का आकर्षक मंदिर का निर्माण किया गया है। वहीं मंदिर के निर्माण में ग्रामीणों के श्रद्धा व भक्ति का अटूट संगम के बीच भगवान को अर्पित किया गया है। जिस मंदिर का उद्घाटन और मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान की तैयारी भी पूरी श्रद्धा के साथ की जा रही है। जिसको लेकर ग्रामीणों और आयोजन समिति के अध्यक्ष की अगुवाई में बैठक करके अनुष्ठान कार्य योजना तैयार कर ली गयी है। जिसमें कलश यात्रा, देव पूजन , हरि कीर्तन यज्ञ हवन अनुष्ठान भण्डारा आदि कार्यक्रम के लिए पूरे लगन परिश्रम के साथ तैयारी चल रही है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजन समिति के अध्यक्ष भोला राम ने बताया कि अनुष्ठान कराने के लिए बनारस से पाँच शास्त्री पंडित आएंगे और अनुष्ठान कराएंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान अखंड हरी कीर्तन भी चलेगा। जिसमें तीन भजन कीर्तन मंडली रहेंगे। जो आकर्षक नृत्य के साथ हरि कीर्तन करेंगे। इस अनुष्ठान में अपनी भक्तिभाव सहभागिता सुनिश्चित के लिए सनातनी जनों का सहयोग हो रहा है। जिसका सफल अनुष्ठान के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष भोला राम, महामंत्री आशीष कुमार, उपाध्यक्ष पंकज राम , सचिव सुरेश राम, कोषाध्यक्ष गणेश राम सहित समिति के लोग उत्सुकता पूर्वक महती भूमिका निभा रहे हैं।

चूरी कॉलोनी से दो बच्चों की मां युवक के साथ फरार

पति ने खलारी थाना में दी सूचना, पुलिस जांच में जुटी

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के चूरी कॉलोनी से सोमवार तड़के एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है।जानकारी के अनुसार दो बच्चों की मां एक युवक के साथ घर से फरार हो गई। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चूरी कॉलोनी निवासी धर्मेन्द्र सोनी ने खलारी थाना में इस संबंध में सूचना दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह करीब 3 बजे एक युवक उनकी पत्नी को अपने साथ लेकर फरार हो गया। पति के अनुसार युवक की पहचान विक्की कुमार सोनी (पिता - सुदामा प्रसाद) के रूप में हुई है। वह कुसमाही टोंगरी सुकरी गढ़ा, पोस्ट लारी,थाना रजरप्पा, जिला रामगढ़ का रहने वाला बताया जा रहा है। बताया जाता है कि युवक ग्रे रंग की मारुति सुजुकी सेलेरियो कार (जेएच24बी 8267) से आया था और महिला को अपने साथ लेकर चला गया। फरार महिला की पहचान जूही कुमारी के रूप में हुई है, जो अपने पति धर्मेन्द्र सोनी के साथ चूरी कॉलोनी स्थित एक क्वार्टर में रहती थी। बताया जा रहा है कि महिला अपने दो छोटे बच्चों को घर पर छोड़कर युवक के साथ चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही पति ने खलारी थाना को इसकी सूचना दे दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और दोनों की तलाश की जा रही है।

ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को बेहतर मंच देने लिए अन्य जिलों में भी लगेगा सरस मेला : मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में सोमवार को राजकीय हस्तकरघा और सरस मेला का भव्य शुभारंभ सोमवार को किया गया। सरस मेला का उद्घाटन उद्योग मंत्री संजय यादव और ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से किया। यह मेला 09 मार्च से 20 मार्च तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों और उद्यमियों के करीब 620 स्टॉल लगाए गए हैं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

मेले में झारखंड सहित देश के कई राज्यों के हस्तकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की विविधता देखने को मिल रही है। यहां पारंपरिक वस्त्र, तसर और सिल्क के परिधान, हैंडलूम साड़ियां, लकड़ी और बांस से बने उत्पाद, जूट के सामान, हस्तनिर्मित सजावटी वस्तुएं, घरेलू उपयोग की चीजें और कई तरह के पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं।

इस मेले में झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से आए स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों को भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर मिला है।

मेला शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग मोरहाबादी मैदान पहुंच रहे हैं और विभिन्न स्टॉलों पर खरीदारी कर रहे हैं। राजधानी के लोगों के लिए यह मेला खरीदारी के साथ-साथ पारंपरिक कला और संस्कृति से जुड़ने का भी अवसर बन गया है। मेले में अलग-अलग राज्यों की झलक देखने को मिल रही है, जहां कारीगर अपने-अपने क्षेत्र की विशेष कला और उत्पादों को लेकर पहुंचे हैं।

मेले में पहुंचे कई उद्यमियों और कारीगरों का कहना है कि इस तरह के आयोजन उनके लिए बेहद फायदेमंद साबित होते हैं। उन्हें अपने उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने और नए बाजार से जुड़ने का अवसर मिलता है। इससे उनकी आय बढ़ने के साथ-साथ उनकी कला को भी पहचान मिलती है।

वहीं कई कारीगरों का कहना है कि ऐसे मेलों के जरिए उन्हें अपने हुनर को प्रदर्शित करने और नए ग्राहक बनाने का मौका मिलता है, इससे उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार हस्तशिल्प, हस्तकरघा और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि झारखंड के ग्रामीण कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों की ओर से तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता काफी अच्छी है और उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि रांची में इस तरह के आयोजनों की सफलता को देखते हुए राज्य के अन्य जिलों में भी सरस मेला और हस्तकरघा मेले आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण उद्यमियों और कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर मंच मिल सके।

मंत्री ने कहा कि यह मेला उद्यमियों के लिए जहां लाभकारी साबित हो रहा है, वहीं खरीदारी करने वाले लोगों के लिए भी एक नया अनुभव है। यहां देश के विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प और लघु उद्योग उत्पादों का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि मेला लोगों के बीच खासा लोकप्रिय हो रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसका आनंद लेने पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री से केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा परिसर में केंद्रीय सरना समिति, कांके के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को आगामी सरहुल पूजा की 47 वीं वर्ष की पूर्व संध्या के अवसर पर आयोजित झारखंड स्तरीय नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह कार्यक्रम 19 मार्च (गुरुवार) को सरना मैदान, कांके में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, सचिव सूरज टोप्पो, संरक्षक सुमित टोप्पो, फूलमनी टोप्पो, मोहन उरांव, पेपला पहान, गुड़िया टोप्पो एवं मनीष कुमार उपस्थित थे।

वहीं मौके पर विधायक राजेश कच्छप एवं सुरेश कुमार बैठा भी मौजूद थे।

सात साल की कानूनी लड़ाई के बाद डॉ. मनोज कच्छप बने असिस्टेंट प्रोफेसर

बिभा संवाददाता

रांची। सात वर्षों तक चले लंबे कानूनी संघर्ष के बाद नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ. मनोज कच्छप को आखिरकार न्याय मिल गया। सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के फैसले के बाद उनकी नियुक्ति रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कर दी गई है। यह मामला एक बार फिर साबित करता है कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने वर्ष 2018 में बैकलॉग और नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस प्रक्रिया में नागपुरी विषय के अभ्यर्थी डॉ. मनोज कच्छप ने भी आवेदन किया था। फरवरी 2020 में आयोग द्वारा जारी एकेडेमिक अंक में डॉ. कच्छप को अपने विषय में 85 में से 72.10 अंक मिले, जो नागपुरी विषय में सबसे अधिक थे।

उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के बावजूद 23 नवंबर 2021 को जारी साक्षात्कार सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। जबकि वे गोल्ड मेडलिस्ट, नेट-जेआरएफ योग्यताधारी और शिक्षण अनुभव वाले अभ्यर्थी हैं। न्याय की मांग को लेकर उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अदालत के हस्तक्षेप के बाद उनका नाम साक्षात्कार सूची में जोड़ा गया।

मामले की सुनवाई के बाद 6 मार्च 2024 को झारखंड हाईकोर्ट ने डॉ. कच्छप के पक्ष में फैसला सुनाते हुए चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति देने का आदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री से पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव ने की शिष्टाचार भेंट, बजट की प्रति सौंपी

रांची(बिभा)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में सड़क अवसंरचना के विकास और विभाग की आगामी योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। भेंट के दौरान प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री को पथ निर्माण विभाग के आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की प्रति भेंट की। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विभाग द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। प्रधान सचिव ने मुख्यमंत्री को बताया कि विभाग द्वारा राज्य में सड़क नेटवर्क को मजबूत बनाने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने तथा प्रमुख मार्गों के उन्नयन के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए भी विभाग ने सड़क निर्माण, पुल-पुलियों के निर्माण और महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण से जुड़ी कई नई योजनाओं की रूपरेखा तैयार की है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विभागीय कार्यों की जानकारी लेते हुए राज्य में सड़क अवसंरचना को और सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क व्यवस्था राज्य के आर्थिक विकास और आम लोगों की सुविधा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने विभाग को समयबद्ध तरीके से योजनाओं को लागू करने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा आगामी वित्तीय वर्ष में सड़क विकास परियोजनाओं को गति देने पर सहमति व्यक्त की गई।

एसबीयू में पांच दिवसीय एफडीपी का शुभारंभ

रांची(बिभा) : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव क्षमताओं को बढ़ाने का कार्य करता है, न कि मानव रोजगार को समाप्त करने का। समय के साथ हमें अप-टूडेट रहना होगा, जिससे हम परिवर्तनों के साथ कदमताल कर सकें। आज के युवा कई मायनों में अपनी पिछली पीढ़ियों से अलग हैं। अतएव परिवर्तन को ग्रहण करना और इसका वाहक बनना समय की मांग है। यह बातें आज आदित्य बिरला ग्रुप (कॉरपोरेट अफेयर्स) के अध्यक्ष डॉ विनोद के शर्मा ने कही। वे आज सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'एआई एंड एमएल फॉर एजुकेटर्स' विषय पर आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं तथा आने वाले समय में निश्चित तौर पर एआई और एमएल का महत्व और बढ़ेगा। झारखंड स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के सहयोग से झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट एकेडमी और डिपार्टमेंट ऑफ हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन के आयोजन तले इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डिपार्टमेंट ऑफ हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन की उपनिदेशक डॉ. विभा पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों का क्षमता विकास करना है। उन्होंने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार द्वारा एआई एवं एमएल के क्षेत्र में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम और शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस एफडीपी के आयोजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

रात 10 बजे के बाद डीजे पर सख्ती, सिमलिया के 5 बैंक्वेट हॉल का प्रशासन ने किया निरीक्षण

रांची (बिभा): रांची जिला प्रशासन ने रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने और ध्वनि प्रदूषण से संबंधित मिल रही शिकायतों पर सख्ती से कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में रातू के सिमलिया क्षेत्र स्थित पांच बैंक्वेट हॉल का निरीक्षण किया गया। संचालकों को ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी गई कि नियमों के उल्लंघन पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। उनके निर्देश पर बीती रात अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत के नेतृत्व में स्थानीय थाना प्रभारी और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने सिमलिया क्षेत्र के पांच बैंक्वेट हॉल का निरीक्षण किया। बताया गया कि दुल्हन बैंक्वेट हॉल में किसी प्रकार का कार्यक्रम संचालित नहीं पाया गया। वहीं विवाह बैंक्वेट हॉल में एक कार्यक्रम चल रहा था, लेकिन वहां किसी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण नहीं पाया गया। इसके अलावा फोकस बैंक्वेट हॉल में भी कोई कार्यक्रम संचालित नहीं था।

जिला प्रशासन ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर आपूर्ति की समस्याओं पर कड़ा रुख अपनाया

25 दिन पहले बुकिंग का आदेश

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी राँची मंजूनाथ भजन्त्री ने हाल ही में विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त घरेलू एलपीजी (एलपीजी) सिलेंडर की कमी संबंधी खबरों पर गंभीर संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है। होली पर्व के दौरान जिला में सप्लाई में आई अस्थायी कमी के कारण उत्पन्न परेशानियों को देखते हुए उपायुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर राँची कुमार रजत की अध्यक्षता में आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल के क्षेत्रीय प्रबंधकों, सीएससी के जिला नोडल अधिकारी तथा राँची जिले की सभी गैस एजेंसियों के प्रोप्राइटर के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की।

ऑनलाइन बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी राँची, रामगोपाल पांडेय भी उपस्थित थे।

ग्राहकों को सलाह नियमित 14.2 किलो सिलेंडर की बुकिंग कम से कम 25 दिन पहले कर लें

बैठक में आईओसीएल के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि होली पर्व के कारण सप्लाई चेन में अस्थायी व्यवधान आया था, जिससे वितरण प्रभावित हुआ। वर्तमान में स्थिति सामान्य है और कोई कमी नहीं है। ग्राहकों को सलाह दी गई कि नियमित 14.2 किलो सिलेंडर की बुकिंग कम से कम 25 दिन पहले कर लें, जिसके 2-3 दिनों के अंदर होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी उपभोक्ता का सिलेंडर 25 दिन से पहले समाप्त हो जाता है, तो बिना बुकिंग के 5 किलोग्राम तथा 2 किलोग्राम के छोटे सिलेंडर उपलब्ध हैं, जिन्हें गैस एजेंसी से सीधे संपर्क कर डोरस्टेप डिलीवरी के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

अनुमंडल पदाधिकारी सदर ने सभी गैस एजेंसियों से छोटे सिलेंडरों की आपूर्ति एवं बुकिंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। एजेंसियों ने बताया कि छोटे सिलेंडरों के लिए बुकिंग की आवश्यकता नहीं है।

25 दिन पहले बुकिंग की अनिवार्यता को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए एसएमएस, बिलबोर्ड, रेडियो, टेलीविजन तथा अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का सख्त निर्देश दिया गया है। साथ ही, सभी कंपनियों एवं एजेंसियों के प्रबंधकों के लिए एक व्हाट्सअप ग्रुप तैयार करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः बैठक बुलाने के निर्देश दिए गए हैं।

अनुमंडल पदाधिकारी ने बैठक में स्पष्ट चेतावनी दी कि जिला प्रशासन स्तर पर गैस वितरण की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील है। यदि कोई गैस वितरक या एजेंसी कालाबाजारी में लिप्त पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड की कार्यकारिणी का पुनर्गठन, अध्यक्ष बने उदय साहू

बिभा संवाददाता

रांची : सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड की सत्र 2026-2030 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हो गया।

बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन सुनील सूर्यांत ने की। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ-साथ पिछले सत्र के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगले वर्ष आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा आगामी बैठक में तय की जाएगी। इस अवसर पर श्री सुनील सूर्यांत ने सेपक टकरा खेल के विकास के लिए जिलावार प्रशिक्षण शिविरों तथा प्रतियोगिताओं के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक में सर्वसम्मति से चेयरमैन : सुनील सूर्यांत, अध्यक्ष : उदय साहू, उपाध्यक्ष : चंचल भट्टाचार्य, विभूति भूषण अमर, प्रकाश गोप, शैलेन्द्र कुमार, मनोज कुमार महतो, मनोज कुमार गुप्ता, सचिव : शिवेंद्र नाथ दुबे, संयुक्त सचिव : अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, कोषाध्यक्ष : मनोज कुमार साहू, कार्यकारिणी सदस्य : उमा रानी पालित, शुभम कुमार रजक, सईद वाहिद अली, एसोसिएट चेयरमैन : अजीत सिन्हा, एसोसिएट वाइस चेयरमैन : राजकुमार जैन, कुणाल साह, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट : सुनील यादव, संतोष गुप्ता, देव रत्न चौधरी, एसोसिएट जॉइंट सेक्रेटरी : संजय कुमार साहू, राजीव रंजन, जेठू गंझु का चयन किया गया।

इसकी जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्री उदय साहू ने बताया कि शीघ्र ही विभिन्न उपसमितियों का गठन किया जाएगा।

अंत में सचिव श्री शिवेंद्र नाथ दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में झारखंड ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक श्री एस. के. पांडे तथा रिटर्निंग ऑफिसर श्री तपेश्वर नाथ मिश्र उपस्थित थे।

निवेश की सही जानकारी की कमी से लोग गलत निर्णय लेने को होते हैं प्रेरित : सीए अनीश

बिभा संवाददाता

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की रांची शाखा द्वारा आज रांची शाखा भवन में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम भारत सरकार के कॉर्पोरेट मंत्रालय के अधीन इन्वेस्टर एजुकेशन प्रोटेक्शन फण्ड अथॉरिटी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक युवा, विद्यार्थियों एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य निवेशकों को वित्तीय बाजार की सही जानकारी प्रदान करना तथा सुरक्षित एवं जागरूक निवेश के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने बताया कि निवेश से संबंधित सही जानकारी का अभाव कई बार लोगों को गलत निवेश निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर देता है। ऐसे में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम लोगों को पूंजी बाजार, बैंकिंग और निवेश के सुरक्षित विकल्पों के बारे में सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने युवाओं और विद्यार्थियों से अपील की कि वे निवेश करने से पहले उचित जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता सीए जयेन्द्र तिवारी, रीजनल काउंसिल मेंबर, गाजियाबाद ने प्रतिभागियों को निवेश से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने डब्बा ट्रेडिंग के बारे में बताते हुए कहा कि यह अवैध और जोखिमपूर्ण गतिविधि है जिससे निवेशकों को दूर रहना चाहिए। उन्होंने पूंजी बाजार की मूल संरचना और उसके कार्य करने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया। साथ ही बैंकिंग प्रणाली के परिचय के माध्यम से वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता और सुरक्षा पर प्रकाश डाला। उन्होंने निवेशकों को यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या धोखाधड़ी की स्थिति में उपलब्ध निवेशक शिकायत निवारण तंत्र का उपयोग कैसे किया जा सकता है। उनके मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को निवेश के क्षेत्र में जागरूक और सतर्क रहने की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना

विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यो के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या–ईएल/53/खुली/2025–26

क्रम सं. 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि : (अ) धनबाद डिवीजन की विभिन्न कॉलोनियों में पुराने पीएस टैंक और सीआई टैंक को बदलने के संबंध में बिजली का काम (ब) धनबाद डिवीजन के नगर उटारी, दुध्दी नगर, गुरमुरा, गढ़वा रोड जंक्शन, राय, गोमो, पारसनाथ, चंद्रपुरा जंक्शन, पाथरडीह जंक्शन, मैकलुस्कीगंज और गोमिया स्टेशन पर पुराने पीएस और सीआई टैंक को बदलने के संबंध में बिजली का काम। (कार्य समापन अवधिः बारह माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रू. 10149867.87, **3. बिड सिक्युरिटी** : रू. 200800.00, **4. बिड मूल्यांकन प्रणाली:** एक पैकेट प्रणाली, **5. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समयः** तकनीकी बिड बंद होने की तिथिः दिनांक 30.03.2026 को 11:00 बजे I, तकनीकी बिड खुलने की तिथिः दिनांक 30.03.2026 को 11:30 बजे के बाद।

ई–निविदा संख्या–ईएल/54/खुली/2025–26

क्रम सं. 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि : ए) धनबाद डिवीजन में डी एंड ई श्रेणी के स्टेशनों पर वीएसएस कार्य के लिए 1–केवीए, एटी बिजली आपूर्ति के प्रावधान और रेणुकुट, चंद्रपुरा जंक्शन, चोपन, सिंगरौली और पारसनाथ में सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में एसी के प्रावधान के संबंध में विद्युत कार्य। (बी) धनबाद में आरयूबी (गया पुल) के चौड़ीकरण के सम्बन्ध में टीआरडी गोदाम पुननिर्माण निर्माण के संबंध में विद्युत कार्य। (कार्य समापन अवधिः बारह माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रू. 1261622.29, **3. बिड सिक्युरिटी** : रू. 25200.00, **4. बिड मूल्यांकन प्रणाली:** एक पैकेट प्रणाली, **5. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समयः** ई निविदा बंद होने की तिथिः दिनांक 30.03.2026 को 11:00 बजे I, ई निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 30.03.2026 को 11:30 बजे के बाद।

6. वेबसाइट का विवरणः वेबसाइट **ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नही किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1886/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25–26/64

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहलः लाइब्रेरी सह वाचनालय का उद्घाटन

ग्रामीणों के लिए विकास का नया केंद्र बनेगा सामुदायिक भवन : नृपेन्द्र

बिभा संवाददाता

रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल पर नामकुम प्रखंड के महिलौंग पंचायत स्थित सराईटोली गांव में सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार कर उसमें लाइब्रेरी सह वाचनालय की व्यवस्था की गई है। इसका उद्घाटन उषा मार्टिन के एचआर हेड नृपेन्द्र नाथ झा ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन आसपास के गांवों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार होने से गांव के लोगों को बैठक, प्रशिक्षण और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए एक बेहतर स्थान मिलेगा, जिससे ग्रामीण विकास को और गति मिलेगी।

सामुदायिक भवन में लाइब्रेरी सह वाचनालय की भी व्यवस्था की गई है, ताकि गांव के बच्चों और युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिल सके। उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से यहां सोलर इन्वर्टर के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई है, जिससे भवन में लाइट और पंखे की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा लाइब्रेरी के लिए पुस्तकें, कुर्सियां, टेबल, अलमारी, रैक और व्हाइट बोर्ड भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे यह स्थान शिक्षा और सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बन सके।

कार्यक्रम में नामकुम प्रखंड की उपप्रमुख वीणा देवी ने कहा कि गांवों के विकास के लिए इस तरह की पहल बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी सामाजिक एवं विकासात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। क्षेत्र में शिक्षा, कौशल विकास एवं आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन तीन प्रखंडों में विकासोन्मुख गतिविधियों को समर्पित होकर कार्य कर रहा है। सामुदायिक भवन के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण समाज के विकास को नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर महालोंग पंचायत के मुखिया संदीप तिर्की ने कहा कि सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार और लाइब्रेरी की स्थापना से गांव के लोगों को एक स्थायी स्थान मिलेगा, जहां सामाजिक कार्यक्रम, बैठकें और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। इससे गांव के विकास को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से प्रिया बागची, मोनित भूटकुमार, संगीता और भुनेश्वर महतो मौजूद थे। साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

इस्पात निर्माण में आत्मनिर्भरता और समन्वय की दिशा में नई पहल

रिफ्रैक्टरी उत्पादों की सोर्सिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट (एसआरयू) और सेल रिफ्रैक्टरी कंपनी लिमिटेड (एसआरसीएल) के द्वारा रिफ्रैक्टरी उत्पादों और सेवाओं की प्रभावी सोर्सिंग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 09 मार्च 2026 को दो दिवसीय विशेष कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी, बोकारो इस्पात संयंत्र प्रिय रंजन उपस्थित थे. उनके साथ अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पी. के. रथ, अधिशासी निदेशक (एसआरसीएल) डी. के. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) बनर्जी राजश्री, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी. बी. करुणामय, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनिमा कुशवाहा, कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एस. के. भारद्वाज तथा कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) पीतांबर चौधरी की उपस्थिति रही. कार्यक्रम का आरंभ सेल रिफ्रैक्टरी यूनिट की सहायक प्रबंधक स्निग्धा सिंह के स्वागत संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यशाला की रूपरेखा और इसके उद्देश्यों से अवगत कराया. सत्र को संबोधित करते हुए अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पी. के. रथ ने कार्यशाला के महत्व पर बल दिया और रिफ्रैक्टरी उत्पादों की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई. अधिशासी निदेशक (एसआरसीएल) डी. के. मिश्रा ने इस्पात संयंत्रों में रिफ्रैक्टरी की महत्वपूर्ण भूमिका और रिफ्रैक्टरी यूनिट्स तथा इस्पात संयंत्रों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए. उन्होंने कहा कि इस्पात निर्माण की प्रक्रिया में रिफ्रैक्टरी उत्पादों की गुणवत्ता सीधे तौर पर संयंत्र की परिचालन दक्षता को प्रभावित करती है.

अपने संबोधन में निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने इस कार्यशाला की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इस्पात निर्माण में रिफ्रैक्टरी की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान है. उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक सुदृढ़ कार्ययोजना (अूइ्ङ्मल्ल ढ'ल्ल) तैयार करें. उन्होंने बल दिया कि सेल की रिफ्रैक्टरी इकाइयों की क्षमताओं का पूर्ण उपयोग करते हुए सभी इस्पात संयंत्रों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जाना चाहिए, ताकि उत्पादन लक्ष्यों को निर्बाध रूप से प्राप्त किया जा सके. दो दिवसीय इस कार्यशाला के प्रथम दिन आज विभिन्न संयंत्रों जैसे भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी), राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी), दुगार्पुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी), इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी) और बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के अधिकारियों के साथ मांग के पूवार्नुमान पर विस्तृत चर्चा की गई. साथ ही एसआरयू और एसआरसीएल के बिजनेस आउटलुक और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रस्तुतियाँ दी गई. कार्यशाला के दूसरे दिन, दिनांक 10 मार्च 2026 को ऑर्डर प्लेसमेंट, आवश्यकताओं के तालमेल और नए उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. इस कार्यक्रम में रिफ्रैक्टरी और आयरन एंड स्टील जोन के वरीय अधिकारी तथा इस्को इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधि सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं.

एसआरयू और एसआरसीएल के साथ यह समन्वय कार्यशाला सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. रिफ्रैक्टरी उत्पादों की समयबद्ध और उत्कृष्ट आपूर्ति सुनिश्चित होने से न केवल उत्पादन की लागत में कमी आएगी, बल्कि यह संयंत्र की परिचालन स्थिरता और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को साकार करने में भी सहायक सिद्ध होगा, जो अंततः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को मजबूती प्रदान करेगा.

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था ने गरीब लड़कियों के शादी में किया सहयोग

बोकारो(बिभा)। महिलाओं को स्वाबलंबी ओर आत्मनिर्भर बनाने के दिशा में लगातार काम कर रही सामाजिक संस्था सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट कमिटी की ओर से बोकारो जिला के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर संस्था की ओर से इक्कीस गरीब लड़कियों जैस चांदनकियारी प्रखंड में तीन ,चास प्रखंड में चौदह, नावाडीह प्रखंड में दो ओर जारीडीह प्रखंड में तीन के शादी में सहयोग हेतु संस्था की ओर से पांच हजार रुपए के चेक गांव वाले उपस्थिति में लड़की के माता पिता के हाथों में सोपा गया । उपस्थित सभी को प्रभारी के द्वारा संस्था के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि संस्था 2019 से जिला के हरेक गांव एवं पंचायतों में महिलाओं को स्वरोजगार के दिशा में लगातार प्रशिक्षण दिया जाता है जैसे पापड़, मोमबत्ती, अगरवत्ती, सिलाई कढ़ाई, ब्यूटीशियन, मशरूम,अबीर ,आदि के प्रशिक्षण दिया जाता है,संस्था अभी तक सैकड़ो गरीब लड़कियों के शादी में सहयोग कर चुकी ओर आगे भी करेंगे,संस्था गरीब लड़कियों के पढ़ाई में भी पठान पठान सामग्री देकर सहयोग करते आ रहे है। मौके पर मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक अमल दास,जिला प्रभारी अशोक दास उप जिला प्रभारी श्रीकांत दास, चांदनकियारी के एसोसिएट साबित महतो, चास के ममता बाउरी, रेणुका बाउरी, नावाडीह के भाखरू दास ,अनीता देवी आशा देवी गीता देवी के अलावे दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

बीएसएल बोकारो में सीआईएसएफ सप्ताह के तहत सामाजिक व स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित

बोकारो(बिभा) : केऔसुब इकाई, बीएसएल बोकारो द्वारा 3 मार्च से 10 मार्च तक सीआईएसएफ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान सामाजिक, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम हुए।सप्ताह के तहत ब्लड डोनेशन कैंप, महिला स्वास्थ्य जांच शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इकाई के अधिकारियों, कर्मचारियों व महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। रक्तदान शिविर में बल सदस्यों ने उत्साह से रक्त दान कर मानव सेवा का संदेश दिया। महिला स्वास्थ्य जांच में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जांच कर परामर्श प्रदान किया।आज इकाई परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए और पर्यावरण जागरूकता पर जोर दिया गया।उप महानिरीक्षक श्री राजीव मिश्रा, भा.पु.से. ने कहा ऐसे कार्यक्रम समाज में सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता व पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करते हैं। वरिष्ठ कमांडेंट मो. नैयर आजम खान, कमांडेंट राजेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी व बल सदस्य मौजूद रहे।

राज्यसभा सीट पर कांग्रेस का दावा: अब्दुल गफ्फार की जेएमएम-राजेडी से अपील

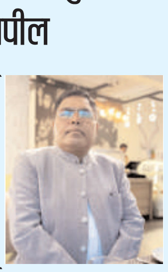

बोकारो(बिभा)। झारखंड प्रदेश ओबीसी कांग्रेस के स्टेट कोऑर्डिनेटर अब्दुल गफ्फार अंसारी ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए एक सीट सुरक्षित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खाली हो रही राज्यसभा सीटों में से एक कांग्रेस का हकदार है, जबकि दूसरी जेएमएम के 'परम आदरणीय गुरु जी' की है। अब्दुल गफ्फार अंसारी ने जेएमएम और राजेडी से गठबंधन धर्म निभाने की अपील करते हुए कहा, झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजेडी की गठबंधन सरकार चल रही है। एक सीट जेएमएम को और दूसरी कांग्रेस को मिले तो बेहतर होगा। कांग्रेस आसानी से अपनी सीट हासिल कर लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी अपील पर विचार कर कांग्रेस को एक सीट दी जाएगी।झारखंड में राज्यसभा की खाली हो रही सीटों पर गठबंधन दलों के बीच समझौते की चर्चा तेज हो गई है।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने उत्साह से मनाया महिला दिवस

बोकारो(बिभा) ।रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत क्लब परिसर में सदस्यों के एकत्र होकर भारत-न्यूजीलैंड आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल मैच के लाइव प्रसारण से हुई। सभी ने रोमांचक मुकाबले का सामूहिक रूप से आनंद लिया, जिससे वातावरण उत्साहपूर्ण हो गया।मैच के बाद महिलाओं के समाज और रोटरी परिवार में योगदान की सराहना की गई। सदस्यों ने महिलाओं की उपलब्धियों व भूमिका पर सम्मान व्यक्त कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम आपसी सौहार्दपूर्ण रात्रि भोज के साथ समाप्त हुआ, जो सभी के लिए यादगार रहा।

बोकारो सिविल कोर्ट को साइनाइड बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल में आईएसआई, तमिलनाडु का जिक्र, परिसर खाली कर सघन सर्च ऑपरेशन

बिभास वाददाता

बोकारो : झारखंड के बोकारो जिले में सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार के आधिकारिक ईमेल पर भोर 3:54 बजे साइनाइड बम से कोर्ट को उड़ा देने की भयानक धमकी मिली। धमकी भरे इस मेल में दावा किया गया कि परिसर में 14 साइनाइड बम लगाए गए हैं और दोपहर 1 बजे तक पूरा इलाका खाली न करने पर विस्फोट हो जाएगा। ईमेल में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और तमिलनाडु का भी उल्लेख होने से मामला और संवेदनशील हो गया है।सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने फौरन कमर कस ली। सुबह करीब 9 बजे न्यायिक पदाधिकारी के जरिए पुलिस को खबर लगी, तो एहतियातन पूरा कोर्ट परिसर खाली करा दिया गया। आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग लगा दी गई, अनावश्यक आवाजाही रोक दी गई और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। बोकारो के पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह ने बताया, ₹धमकी की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। जिला स्तर की टीमें और रांची से बुलाई गई जगुआर स्क्वाड सघन तलाशी ले रही हैं।

ईमेल की डिटेल्स से बढ़ी सतर्कता

धमकी भरा ईमेल रजिस्ट्रार के आधिकारिक पते पर भेजा गया था, जिसमें स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि परिसर में कई जगहों पर साइनाइड बम प्लांट कर दिए गए हैं। मेल में पाकिस्तान की आईएसआई और तमिलनाडु के संदर्भ का जिक्र होने से सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं। हालांकि, प्रारंभिक जांच में किसी ठोस लिंक की पुष्टि नहीं हुई है। ईमेल की तकनीकी जांच चल रही है, ताकि भेजने वाले की लोकेशन और पहचान उजागर हो सके। रांची एटीएस के एसपी को भी सूचित कर दिया गया है।

जगुआर स्क्वाड और स्थानीय टीमों का सर्च ऑपरेशन

मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची से जगुआर स्क्वाड की विशेष टीम बुला ली गई। जिला प्रशिक्षित जवान और अधिकारी मिलकर पूरे कोर्ट परिसर की छानबीन कर रहे हैं। एसपी हरविंदर सिंह ने कहा, ₹हर संभावित जगह की गहन जांच हो रही है। बैरिकेडिंग से भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित किया गया है।₹ फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन सर्च ऑपरेशन जारी है।

स्थानीय लोगों में दहशत, प्रशासन सतर्क

धमकी की खबर फैलते ही आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। कोर्ट परिसर के निकट रहने वाले लोग चिंतित हैं, जबकि प्रशासन ने अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू से जांच चल रही है और दोषी को जल्द पकड़ा जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, जिसमें सीसीटीवी फुटेज की भी जांच शामिल है।यह घटना बोकारो में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। पुलिस ने कहा कि धमकीदाता को बख्शा नहीं जाएगा।

अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो जिले के पिंडाजोरा थाना क्षेत्र के कुर्रा मोड़ के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय हरिपद मोदी की मौत हो गई। वे अपने पिता की अस्थियां विसर्जित करने के लिए दामोदर नदी जा रहे थे। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर मुआवजे की मांग की।

काशीझरिया पंचायत के उपमुखिया सुजीत बावरी के अनुसार, कुर्रा गांव निवासी हरिपद मोदी के पिता जग्गू मोदी का हाल ही में निधन हो गया था। सोमवार सुबह हरिपद मोदी अपने परिजनों के साथ दामोदर नदी में अस्थि विसर्जन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कुर्रा मोड़ के पास सड़क पार करते समय बोकारो से पुरुलिया की ओर जा रहे एक अज्ञात टेलर वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी तेज थी कि हरिपद मोदी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक प्रशासन की ओर से मुआवजे की घोषणा नहीं की जाएगी, तब तक शव को नहीं उठाने दिया जाएगा। इस दौरान सड़क पर काफी देर तक अफरा-तफरी और हंगामे का माहौल बना रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पिंडाजोरा थाना प्रभारी अविनाश रंजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया और काफी मशक्कत के बाद सड़क जाम हटवाया। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हादसे के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना में शामिल अज्ञात टेलर वाहन की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी अविनाश रंजन ने बताया कि मामले की जांच जारी है और वाहन चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के घर में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कल्याणी एक्सप्रेस ट्रेन के बेडरोल डिब्बे से 101 शराब की बोतलें बरामद, कोच अटेंडर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो आरपीएफ पोस्ट की टीम ने नारकोटिक्स के खिलाफ 'ऑपरेशन सतर्क' चलाते हुए ट्रेन नंबर 18626 (कल्याणी एक्सप्रेस) से 101 शराब की बोतलें जब्त कीं। कोच अटेंडर अजीत कुमार सिंह को हिरासत में लेकर एक्साइज विभाग को सौंप दिया गया। बोकारो आरपीएफ एसआई बलराम मीणा, एएसआई डी के द्विवेदी और सीटी हेमराज मीणा ने बोकारो से चंद्रपुरा के बीच ट्रेन की तलाशी ली। ए-1 और बी-1 कोच के बेडरोल डिब्बों में संदिग्ध बैग मिलने पर अटेंडर से पूछताछ की गई। उसने थैलियों में छिपी शराब दिखाई, लेकिन कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।जांच में 9 बोतल मैजिक मोमेंट्स वोडका (750 मिली), 87 बोतल ऑफिसर चॉइस व्हिस्की (180 मिली) और 5 कैन हेवर्ड 5000 बीयर (500 मिली) बरामद हुईं, जिनका अनुमानित मूल्य 19,120 रुपये है। पूछताछ में अटेंडर ने अपनी पहचान पलामू (झारखंड) के पोलपोल निवासी अजीत कुमार सिंह (32) पुत्र सुरेश सिंह के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि कोच के बेडरोल की निगरानी वह ही कर रहा था।टीम ने चंद्रपुरा स्टेशन पर उसे उतारा, ट्रेन के टीटीई और सुपरवाइजर राजीव नयन को सूचित किया। गवाहों की मौजूदगी में अटेंडर को पकड़कर बोकारो आरपीएफ पोस्ट लाया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शराब और आरोपी को एक्साइज विभाग बोकारो को सौंप दिया गया।

मूल्य संवर्धित इस्पात के क्षेत्र में बीएसएल की बड़ी उपलब्धि: चार नए ग्रेड्स को मिला बीआईएस प्रमाणन

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की प्रमुख इकाई, बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने अपने मूल्य संवर्धित इस्पात पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. आईएस 513 (भाग 2) के तहत आईएससी 410 ग्रेड तक उपलब्ध मौजूदा बीआईएस लाइसेंस का विस्तार करते हुए, संयंत्र को अब इसी मानक के अंतर्गत आईएससी 440 एलए, आईएससी 470 एलए, आईएससी 510 एलए और आईएससी 550 एलए ग्रेड को शामिल करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जमशेदपुर से औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हुई है.

यह स्वीकृति बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्पादित हाई स्ट्रेंथ लो अलॉय (एचएसएलए) कोल्ड रोल्ड स्टील ग्रेड के मानकीकरण की दिशा में एक बड़ी प्रगति है. आईएस 513 (भाग 2) में इन विशिष्ट ग्रेड्स के शामिल होने से यह सुनिश्चित होगा कि ये अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं, जिससे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में इनकी स्वीकार्यता और मांग में वृद्धि होगी.

आईएससी एलए सीरीज के इन ग्रेड्स को उच्च तन्य शक्ति, बेहतर फॉर्मेबिलिटी और उत्कृष्ट वेल्डेबिलिटी प्रदान करने के लिए तकनीकी रूप से उन्नत बनाया गया है. ये विशेषताएं उन्हें ऑटोमोटिव और हैवी इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं, जहाँ संरचनात्मक मजबूती और वजन अनुकूलन जैसे मानक अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं.

बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, श्री प्रिय रंजन ने संबंधित सभी विभागों के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण उपलब्धि उत्पाद की गुणवत्ता और प्रोडक्ट मिक्स में सुधार लाने के सेल के रणनीतिक विजन के अनुरूप है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे घरेलू इस्पात बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी. अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त ने इस सफलता के लिए संयंत्र की बहु-विषयक टीमों के समर्पित प्रयासों की सराहना की. उन्होंने जोर देकर कहा कि यह उपलब्धि मूल्य संवर्धित इस्पात उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के प्रति बीएसएल के केंद्रित और सकारात्मक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है.

इस विकास के साथ, बोकारो इस्पात संयंत्र ने न केवल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को मजबूत किया है, बल्कि उन्नत स्टील ग्रेड के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं. बीआईएस की यह स्वीकृति आयात पर निर्भरता कम करने और भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों के अंतर्गत स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी.

एमजीएम स्कूल के बाल वैज्ञानिक अर्णव इंस्पायर अवार्ड मानक प्रदर्शनी के लिए चयनित

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो के दसवीं कक्षा के छात्र अर्णव द्विवेदी का आइडिया इंस्पायर अवार्ड मानक प्रदर्शनी के लिए चयनित किया गया है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से इन्हें प्रोटोटाइप माडल तैयार करने के लिए दस हजार रुपए प्रदान किया गया है। साथ ही विभागीय स्तर पर प्रमाण पत्र दिया गया है। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि इंस्पायर मानक अवार्ड योजना देश के बाल वैज्ञानिकों के लिए है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाना एवं प्रोत्साहित करने का कार्य किया जाता है। कक्षा छह से दसवीं तक के बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि अर्णव की परियोजना एग्रोबोट: ए गार्डियन-स्मार्ट फार्मिंग एंड इरिजेशन सिस्टम यूजिंग आईओटी एंड रोबोटिक्स, कृषि के विकास में सहायक सिद्ध होगी। यह स्मार्ट खेती और सिंचाई प्रणाली का वर्णन करती है, जिसे एग्रोबोट कहा जाता है। इसका उद्देश्य कम लागत वाला माड्यूलर स्मार्ट खेती प्रणाली विकसित करना है। यह बीमार पत्तियों का पता लगाता है और उन्हें स्वचालित रुप से हटाता है। यह मिट्टी और पर्यावरण (तापमान, आर्द्रता) की स्थिति को वास्तविक समय में निगरानी करता है।सिंचाई को स्वचालित करता है और फसलों को जानवरों से बचाता है। एग्रोबोट में तीन स्मार्ट सिस्टम होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। लेकिन एक लक्ष्य स्मार्ट, सुरक्षित और अधिक कुशल खेती में योगदान करते हैं। इसमें रास्पबेरी पाई रोवर होता है, जो खेत के चारों ओर घूमता है। घूमने वाले कैमरे का उपयोग करके पौधों की छवि कैप्चर करता है। यह बीमार पत्तियों का पता लगाता है। क्षतिग्रस्त पत्तियों को काटने के लिए सर्वो के साथ एक रोबोटिक आर्म का उपयोग करता है। अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके बाधाओं से बचता है। पत्ती काटने के बाद यह पूरी प्रक्रिया लूप में जारी रहती है। यह उपकरण तापमान, आर्द्रता व मिट्टी की नमी को पढ़ता है। ब्लिंक मोबाइल एप व एलसीडी डिस्प्ले पर डेटा भेजता है। विश्लेषण के लिए एसडी कार्ड और गूगल शीट में डेटा लाग करता है। आड्रिनो इरिगेशन व सिक्योरिटी सिस्टम मिट्टी की नमी के आधार पर पानी के पंप को शुरू व बंद करता है। खेत में जानवरों व पक्षियों का पता लगाने के लिए अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करता है। पता लगाने पर पांच सेकंड के लिए बजर अलार्म ट्रिगर करता है। बजर बजने से पशु-पक्षी खेत से दूर भाग जाते हैं।

नावाडीह में भयंकर सड़क हादसा: बहन की शादी का कार्ड बांटने जा रहे युवक की मौत, दो अन्य घायल

बिभा संवाददाता

कसमार(बोकारो) : बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव निवासी उमेश महतो (उम्र अज्ञात) की नावाडीह में तेज रफ्तार हाईवा से बाइक की भिड़ंत होने पर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय उमेश अपनी चचेरी बहन सुमन की 14 मार्च को निर्धारित शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने जा रहे थे।पुलिस के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे हाईवा ने उमेश की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे हादसा इतना भयावह हो गया कि उनकी मौके पर ही जान चली गई। इस दुर्घटना में सुमन के सगे भाई सुलचन महतो और एक बच्ची भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से दोनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।घटना की सूचना पाकर नावाडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में वाहन की तेज गति को हादसे का मुख्य कारण बताया जा रहा है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मृतक के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। गांव में सन्नाटा पसर गया है, जबकि बहन सुमन की शादी की तैयारियां अब मातम में बदल गई हैं।

पहला मंगल आज, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजेगा शहर

महावीर स्थान मंदिर में अखाड़ाधारियों द्वारा होगी विशेष पूजा-अर्चना, सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने किए व्यापक इंतजाम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी से पूर्व होली के बाद से लेकर रामनवमी तक आने वाले प्रत्येक मंगलवार को मंगला के रूप में मनाने की परंपरा है। इसी परंपरा के तहत आज पहला मंगल मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरे शहर में भक्ति, आस्था और उल्लास का विशेष वातावरण देखने को मिलेगा। शहर के विभिन्न मोहल्लों, अखाड़ों और मंदिरों से श्रद्धालु जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जुलूस की शक्ल में निकलेंगे और झंडा चौक पहुंचकर एकत्रित होंगे। मंगल के अवसर पर सड़कों पर भक्तों की भीड़ और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

परंपरा के अनुसार विभिन्न अखाड़ों के अखाड़ाधारी और श्रद्धालु झंडा चौक से एकत्रित होकर महावीर स्थान मंदिर पहुंचेंगे, जहां भगवान श्रीराम और बजरंगबली की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटेंगे और भगवान श्रीराम तथा भगवान हनुमान की आराधना कर परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना करेंगे। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पहले मंगल को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के कई इलाकों में सुबह से ही धार्मिक माहौल बना रहेगा और श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर दर्शन-पूजन करेंगे।

रामनवमी महोत्सव की शुरूआत के रूप में माने जाने वाले पहले मंगल को लेकर अखाड़ा समितियों और मंदिर समितियों द्वारा भी विशेष तैयारी की गई है। अखाड़ाधारी पारंपरिक वेशभूषा में जुलूस में शामिल होंगे और धार्मिक अनुशासन के साथ कार्यक्रम को संपन्न करेंगे। झंडा चौक और महावीर स्थान मंदिर परिसर में भक्तों की बड़ी संख्या जुटने की संभावना को है। इधर पहले मंगल को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग भी पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और जुलूस मार्गों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना से बचा जा सके और कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। धार्मिक आयोजन की गरिमा और मयार्दा को बनाए रखने के उद्देश्य से इस वर्ष भी चलंत डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन का कहना है कि इससे धार्मिक वातावरण अनुशासित और मर्यादित बना रहेगा तथा श्रद्धालु बिना किसी व्यवधान के अपनी आस्था प्रकट कर सकेंगे। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें और इस धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने में सहयोग दें। पहले मंगल को लेकर शहर के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और भक्त भगवान श्रीराम के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नाबार्ड का सेमिनार

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं हुई है स्वावलंबी और सशक्त: शिप्रा सिन्हा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद महिलाएं स्वावलंबी और सशक्त हुई है। महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक हालात में जो परिवर्तन आया हैं उससे प्रेरणा लेने की जरुरत है। उक्त बातें जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा ने कहीं। श्रीमति सिन्हा 9 मार्च को हॉली क्रॉस समाज सेवा केंद्र के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रही थी। हॉली क्रॉस हजारीबाग की पूर्व प्रोवेंशियल सिस्टर रोसिली ने कहा कि 1982 से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये काम कर रहे हैं। वर्ष 1985 से 2010 तक जिला प्रशासन के साथ मिलकर प्रत्येक वर्ष महिला दिवस मनाते रहे। एसएचजी के साथ जुड़कर महिलाएं आगे बढ़ी है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। महिलाओं की आर्थिक विकास में बैंका का अहम योगदान रहा है। नाबार्ड की डीडीएम रीचा भारती ने कहा कि महिलाओं के बीच वित्तीय साक्षरता जरुरी है। इससे धन प्रबंधन, बचत, निवेश और सही वित्तीय फैसले लेने का ज्ञान विकसित होता है। उन्होंने कहा कि नाबार्ड से जुड़कर कार्य कर रही महिलाओं ने समाज में उल्लेखनीय कार्य किया हैं उन्हें सम्मानित कर गर्व महसूस हो रहा हैं। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक की कोर्रा शाखा प्रबंधक नाहिद इकबाल ने कहा कि बच्चों के पालन-पोषण, उन्हें पढ़ाने-लिखाने और आगे बढ़ाने में महिलाओं का अहम योगदान रहा है। महिलाएं संगठित होने के साथ-साथ शिक्षित और स्वावलंबी बनीं हैं। प्रेस क्लब, हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। महिलाओं को शिक्षित और सशक्त बनाना एक विकसित समाज के लिये जरुरी है। महिलाओं की आर्थिक प्रगति में नाबार्ड की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से आत्म विश्वास प्राप्त कर दहेज प्रथा, बाल विवाह, डायन-भूत जैसी सामाजिक कुरीतियों से लड़ा जा सकता है। जन जागरण केंद्र के सचिव संजय कुमार सिंह ने कहा कि नाबार्ड के साथ जुड़कर संस्था ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, इसे और गति देने की आवश्यकता है। जिला गव्य विकास पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने एसएचजी के कार्यो की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री गव्यपालन योजना से जुड़ने का सुझाव दिया। हॉली क्रॉस समाज सेवा केंद्र की निदेशिका सिस्टर जेसी, भुपेंद्र उपध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग डेंटल कॉलेज द्वारा सुलतना स्थित सरकारी विद्यालय में नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल द्वारा कटकमदाग प्रखंड के सुलतना स्थित सरकारी विद्यालय में नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 125 स्कूली बच्चों सहित अन्य जरूरतमंद लोगों के दांतों की जांच की गई।शिविर के दौरान स्कूली बच्चों को दांतों की सही देखभाल, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श दिए गए। साथ ही उन्हें दंत रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रदान किए गए, जिससे ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर हजारीबाग डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संस्थान आगे भी समाज सेवा के इस कार्य को निरंतर जारी रखेगा और जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेगा। शिविर में मुख्य रूप से चिकित्सक डॉ. सौर्या सहित कई स्वास्थ्यकर्मियों ने सराहनीय योगदान दिया।

11 मार्च को झारखंड किसान सभा सहित कई संगठनों का होगा विधानसभा मार्च: भुवनेश्वर

हजारीबाग(बिभा) : हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि जल-जंगल लूट, सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार, विस्थापन आयोग का गठन, स्पष्ट नियोजन और विस्थापन नीति बनाने के सवाल पर 11 मार्च को झारखंड विधानसभा मार्च और धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस रैली में झारखंड राज्य किसान सभा, झारखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, झारखंड राज्य विस्थापित संघर्ष मोर्चा, झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच और खतियानी परिवार के लोग हिस्सा लेंगे। श्री मेहता ने इस रैली को सफल बनाने के लिये सभी जनकल्याणकारी संगठनों के लोगों से सहयोग करने की अपील की है। 11 मार्च को सुबह 11 बजे पूर्वाहन बिरसा चौक से विधानसभा मार्च के लिये आंदोलनकारी निकलेंगे।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

लातेहार(बिभा) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों एवं प्री-रिवीजन गतिविधियों की समीक्षा को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की गई। बैठक में गूगल मीट के माध्यम से निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी तथा सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में विभागीय निदेर्शानुसार अप्रैल 2026 से प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य से पूर्व की सभी गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर लिया जाए, ताकि आगामी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके।बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिले में चल रहे बीएलओ मैपिंग कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। बताया गया कि जिले की दो विधानसभा क्षेत्रों में से मनिका विधानसभा क्षेत्र में 75.27 प्रतिशत तथा लातेहार विधानसभा क्षेत्र में 83.01 प्रतिशत बीएलओ मैपिंग कार्य बीएलओ ऐप के माध्यम से पूर्ण कर लिया गया है, जिसकी प्रविष्टि ऑनलाइन ईआरओ नेट पर भी प्रदर्शित हो रही है। उपायुक्त ने शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान यह भी निर्देश दिया गया कि विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतदाता सूची में दर्ज धुंधली , गैर-आयामी एवं गैर-मानवीय फोटो को हटाते हुए मतदाता सूची को 100 प्रतिशत शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाया जाए। साथ ही अवैध अथवा त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को भी तत्काल सुधारने का निर्देश दिया गया।बैठक में यह भी कहा गया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राप्त आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी आवेदन को सात दिनों से अधिक लंबित नहीं रखा जाए। ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों को प्रतिदिन प्रोसेस करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की द्वारा जानकारी दी गई कि नव नियुक्त मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त बीएलओ एवं विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नामित बीएलए-2 को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्यों को पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करें तथा सभी तैयारियां समय पर पूरी करें, ताकि आगामी पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, निर्वाचन कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

रामनवमी महापर्व को लेकर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने किया जुलूस मार्ग का सघन निरीक्षण

ड्रोन और सीसीटीवी से होगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी महापर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने शहर के रामनवमी जुलूस मार्ग का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडे, जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण, संबंधित थाना प्रभारी तथा बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों की टीम ने जुलूस के निर्धारित मार्ग का भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और संवेदनशील स्थानों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से मंगल जुलूस को ध्यान में रखते हुए जुलूस मार्ग के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामनवमी जैसे बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। निरीक्षण के क्रम में जुलूस मार्ग पर लगाए जाने वाले ड्रॉप गेट, बैरिकेडिंग तथा यातायात व्यवस्था की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी भीड़ की संभावना अधिक हो वहां अतिरिक्त बैरिकेडिंग और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित हो । साथ ही जुलूस के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए रूट डायवर्जन की व्यवस्था भी प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया, ताकि आम लोगों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मीडिया से बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि रामनवमी और मंगल जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। जुलूस से पहले शहर के कई महत्वपूर्ण स्थानों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है, जिससे पुलिस बल को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि पूरे जिले में यह पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो।

रामनवमी जुलूस के पूरे मार्ग की निगरानी ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाएगी, जिससे ऊपर से पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जा सकेगी। इसके अलावा जुलूस मार्ग के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे, ताकि हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा सके और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधीक्षक ने यह भी जानकारी दी कि इस बार जुलूस के दौरान निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर बनाए जाने वाले निगरानी मंचों की संख्या बढ़ाई जा रही है। इन मंचों पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी तैनात रहेंगे, जो जुलूस की गतिविधियों पर लगातार नजर रखेंगे और जरूरत पड़ने पर तुरंत आवश्यक कदम उठाएंगे। अंत में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि रामनवमी आस्था और श्रद्धा का महापर्व है। सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ इस पर्व को मनाएं तथा प्रशासन का सहयोग करें, ताकि यह महापर्व पूरे जिले में शांति, सुरक्षा और उत्साह के साथ संपन्न हो सके।

अग्रसेन भवन में नारायण रेकी सत्संग परिवार की सामूहिक बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: नारायण रेकी सत्संग परिवार, हजारीबाग के तत्वावधान में सोमवार को अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज, खण्डेलवाल समाज तथा जैन समाज की संयुक्त सामूहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और आगामी आध्यात्मिक कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि दिनांक 6 अप्रैल को हजारीबाग में एक विशेष आध्यात्मिक सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पूज्य राजेश्वरी जी मोदी (राज दीदी) के श्रीमुख से कुबेर का खजाना -सन राहज विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन एवं साधना सत्र आयोजित होगा। यह कार्यक्रम फूलू पक्की रोड स्थित स्थल पर आयोजित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी समाज के सदस्यों ने बताया कि राज दीदी के आगमन को लेकर हजारीबाग शहर के लोग काफी उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

उपायुक्त ने किया वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में रखे गए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल उपकरणों की भौतिक स्थिति, रख-रखाव, सुरक्षा व्यवस्था एवं रिकॉर्ड संधारण की विस्तृत समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा परिसर के अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, तैनात सुरक्षा बलों, अग्निशमन यंत्र आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित सभी निदेर्शों एवं मानकों का पालन पूरी तत्परता से किया जाना आवश्यक है।मौके पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष/ प्रतिनिधि कमलेश सिंह, मोहर यादव, मुंगेश्वर राम , आदित्य रंजन अन्य उपस्थित थे।

भाजपाइयों ने हजारीबाग में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी, जिला इकाई ,अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष रमेश हेंब्रम की अध्यक्षता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन कार्यक्रम, हजारीबाग स्थित झंडा चौक में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह उपस्थित हुए। पुतला दहन कार्यक्रम के मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि

7 मार्च 2026 को देश के महामहिम राष्ट्रपति एवं देश की पहली महिला आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी , पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी क्षेत्र में 9 वें अंतरराष्ट्रीय संथाली सम्मेलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थी। जिस कार्यक्रम में विदेश से भी बड़ी संख्या में विदेशी अतिथि भी शामिल हुए थे। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया गया और एन मौके पर कार्यक्रम स्थल भी बदल दिया गया।जिससे कार्यक्रम कराने में भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। यहां तक की जिस स्थान पर कार्यक्रम करने का स्थान स्थानआवंटित किया गया, वहां चारों तरफ कचरा का अंबार था और पूरा स्थल गंदगी से भरा पड़ा था। शौचालय में पानी की भी व्यवस्था तक नहीं थी। इस तरह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर रहते हुए, जिस प्रकार से संविधान की धज्जियां उड़ाई जिसकी जितनी भी भरत्सना की जाए बहुत कम होगा। इस तरह का कृत्य अपमान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा देश के सर्वोच्च पद पर आसीन ,जनजातीय समाज की महिला का अपमान पूरे ,जनजातीय समाज के साथ-साथ देश की महिला ,बहनों एवं माताओं का अपमान किया गया। इससे जनजातीय समाज एवं देश कभी भी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को माफ नहीं करेगी। पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव, भैया अभिमन्यु प्रसाद, जिला महामंत्री सुनील मेहता, जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू,आनंद देव, जय नारायण प्रसाद, उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मंत्री सह जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

रामनवमी से पहले हजारीबाग में प्रशासन का पावर शो, मॉक ड्रिल से दिया सख्त संदेश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विश्व प्रसिद्ध रामनवमी उत्सव को लेकर हजारीबाग जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी रामनवमी को लेकर शहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और अखाड़ों की भागीदारी होती है। ऐसे में पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अफवाह या उपद्रव की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में सख्त तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को शहर के प्रमुख स्थल कोलटेक्स चौक और खिरगांव में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा भव्य मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से प्रशासन ने अपनी तैयारियों का पावर शो भी किया।

मॉक ड्रिल के दौरान दंगा, उपद्रव और भीड़ नियंत्रण जैसी आपात स्थिति में पुलिस किस प्रकार कार्रवाई करती है, इसका विस्तृत और व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल, दंगा नियंत्रण वाहन और अन्य सुरक्षा संसाधनों को तैनात किया गया था। पुलिस बल ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर भीड़ को नियंत्रित करने की प्रक्रिया का अभ्यास किया, वहीं आंसू गैस के गोले दागने की कार्रवाई का भी प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही स्थिति के अनुसार लाठीचार्ज करने और आवश्यकता पड़ने पर फायरिंग की प्रक्रिया का भी ट्रायल कर पुलिस की तैयारियों को परखा गया।

कोलटेक्स चौक और खिरगांव में आयोजित इस मॉक ड्रिल के दौरान मौजूद अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम की बारीकी से निगरानी की और पुलिस बल को विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अभ्यास के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशासन ने यह स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया कि रामनवमी के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश को सख्ती से निपटा जाएगा। त्योहार के दौरान शहर में शांति, सौहार्द और अनुशासन बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। मॉक ड्रिल के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सदर एसडीओ आदित्य पांडे ने कहा कि मंगलवार से रामनवमी के मंगला जुलूस के साथ पर्व की शुरूआत हो रही है। ऐसे में जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की गई है। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है और सभी गतिविधियों पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग परंपरागत और शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाएं तथा किसी भी तरह की अफवाह या उकसावे से दूर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि समय रहते उस पर कार्रवाई की जा सके और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। एसडीओ आदित्य पांडे ने स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार सभी पर्व-त्योहारों में चलंत डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई क्लब, समिति या व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि त्योहार मनाने की आजादी सभी को है, लेकिन कानून और परंपरा के दायरे में रहकर ही पर्व मनाना होगा। प्रशासन किसी भी प्रकार की अराजकता, नियम उल्लंघन या शांति भंग करने की कोशिश को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

नीरज कुमार दुबे

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र ह्यथ्री गॉर्जेस डैमह्न से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना ह्लरन-ऑफ-द-रिवरह्व तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है।

स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की ह्लजल भू-राजनीतिह्व का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।

संपादकीय

बढ़ता तापमान

हाल के वर्षों में कम समय के सर्दी के मौसम के बाद तापमान में अचानक वृद्धि, मौसम के पैटर्न में आ रहे असामान्य बदलाव का स्पष्ट संकेत है। सर्दी के बाद वसंत के मौसम का जल्दी चले जाना और जल्दी गर्मी का आना क्षेत्रीय वायुमंडल परिवर्तनों और दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन का कारण माना जा रहा है। जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। खासकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। चिंता की बात यह भी है कि हिमाचल प्रदेश के सेब के बागों में, कम होती ठंडक से उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है। दरअसल, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है। इससे बचने के लिए अनुकूलन उपायों में जलवायु अनुरूप बागवानी पद्धतियों को अपनाने और दीर्घकाल में सेब पट्टी को ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की जरूरत होगी। आवश्यकता होगी कि हम सूखा-सहिष्णु फसलों को अपनाएं। कम जल के बेहतर उपयोग के प्रयास हों। अब सिर्फ वैकल्पिक फसलों के भरोसे ही नहीं रहा जा सकता, कई मोर्चों पर पहल करने की जरूरत होगी। कुल मिलाकर एक स्पष्ट रणनीति को अपनाकर हम बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं है कि मार्च के पहले सप्ताह में उच्च तापमान का महसूस होना, आने वाले संकट का स्पष्ट संकेत है। अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में ग्रीष्म ऋतु में आने वाले लू के दिनों की संख्या 1980 के बाद से दुगनी से भी अधिक हो गई है। हमारे देश में तीव्र शहरीकरण, सघन निर्माण और हरित क्षेत्रों के लगातार जारी क्षरण के चलते भी तापमान में वृद्धि हुई है। ऐसे में बढ़ते तापमान से उत्पन्न जल व ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तत्काल कारगर योजनाओं की जरूरत है। इसके साथ ही शीत ऋतु से ग्रीष्म ऋतु में तेजी से होने वाले परिवर्तन के इस नये असामान्य परिदृश्य के लिए नागरिकों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के लिए भी एक नया चार्टर बनाने की आवश्यकता होगी। सरकारों की तैयारियों को लेकर भी स्पष्ट रीति-नीति का निर्धारण जरूरी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के निस्तारण के लिए रणनीतियों को लेकर सहभागी दृष्टिकोण प्रभावकारी हो सकता है। आने वाले समय में मौसम की चरम स्थितियां घातक साबित हो सकती हैं, जिनका मुकाबला मौजूदा अपर्याप्त प्रशासनिक योजनाओं के जरिये संभव न होगा। इसके लिए कारगर रणनीतियां बनाने की जरूरत होगी। हमें बिजली की अनुमानित मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को कम करना होगा। समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी करने तथा प्रभावी उपचार की उपलब्धता भी जरूरी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें बिजली और पानी की बबार्दी पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे।

चिंतन-मनन

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।

असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है।

मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा से ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल वर्षों मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

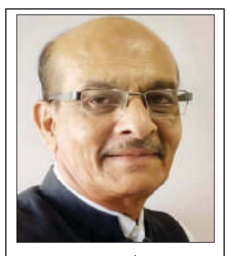

सनत जैन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्न नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्न नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे

कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीजों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी – कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

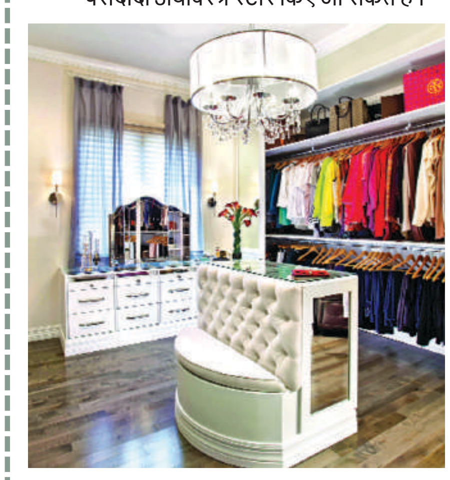

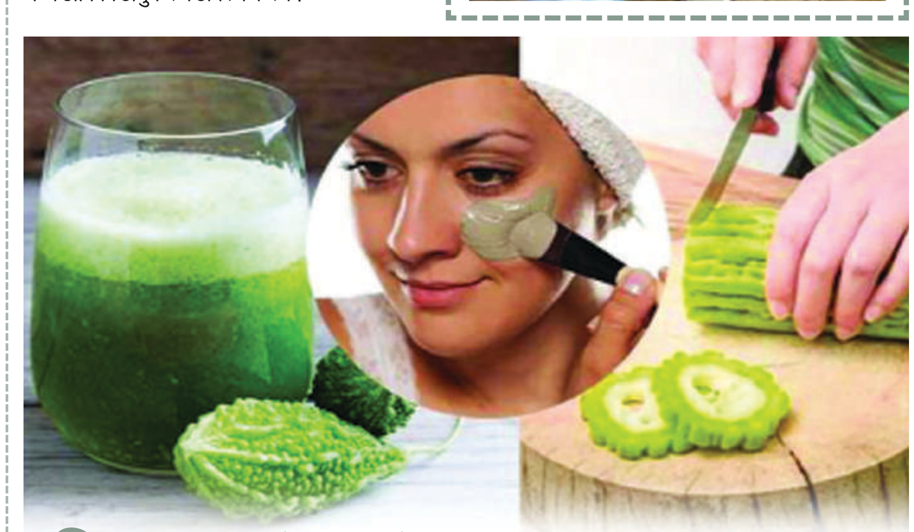

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें।िससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोंइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशहत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उडने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उडने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। शनिवार को निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल 2017 में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।

उपायुक्त ने किया फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन, करियर गाइडेंस फेस्ट का आयोजन

जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल पढ़ाई ही नहीं, सही मार्गदर्शन भी आवश्यक : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की भावना को आगे बढ़ाते हुए जिले में युवाओं के शैक्षणिक और करियर विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से करियर गाइडेंस फेस्ट एवं फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन सोमवार को उपायुक्त हेमंत सती के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। वहीं उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही मार्गदर्शन भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज के अधिकांश छात्र-छात्राओं को यह स्पष्ट जानकारी नहीं होती कि 10 वीं या 12वीं के बाद उनके सामने कितने व्यापक करियर विकल्प उपलब्ध हैं। प्रायः विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर या कुछ पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित जानकारी रखते हैं, जबकि आज के दौर में करियर के असंख्य नए अवसर उपलब्ध हैं। साथ ही उन्होंने छात्रों से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ अपने जीवन में एक स्पष्ट लक्ष्य और सपना निर्धारित करना बहुत जरूरी है। सपना केवल कल्पना नहीं, बल्कि ऐसा लक्ष्य होना चाहिए जिससे व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़े। यदि विद्यार्थी समय रहते अपने लक्ष्य के बारे में सोचेंगे और उसके अनुसार तैयारी करेंगे तो वे अपने जीवन में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि आज के समय में इंटरनेट और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से ज्ञान के असीमित स्रोत उपलब्ध हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा फूलो झानो डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। इस लाइब्रेरी में आधुनिक कंप्यूटर, उच्च गति का वाई-फाई, डिजिटल अध्ययन सामग्री तथा शांत अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया गया है, जिससे छात्र-छात्राएं घर बैठे प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह लाइब्रेरी सुबह 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आम जनता के लिए खुली रहेगी और यहां बहुत ही न्यूनतम शुल्क पर छात्रों को अध्ययन की सुविधा दी जाएगी। साथ ही समय-समय पर करियर गाइडेंस, मोटिवेशनल सेशन तथा विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को सही दिशा मिल सके। साथ ही उपायुक्त ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत आज एक डेमोग्राफिक डिविडेंड वाला देश है, अर्थात देश की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। यदि युवा अपनी ऊर्जा और क्षमता का सही उपयोग करेंगे तो देश तेजी से प्रगति करेगा, लेकिन यदि युवा अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पाए तो यही अवसर चुनौती में भी बदल सकता है। इसलिए युवाओं को गंभीरता से पढ़ाई, कौशल विकास और करियर निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करना चाहिए। मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस मतीन तारीक सहित अन्य अधिकारी, शिक्षकगण, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे डिजिटल लाइब्रेरी का अधिक से अधिक उपयोग करें, अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करें तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का प्रयास लगातार जारी रहेगा।

बंद पड़ी जलापूर्ति योजना को चालू करने की मांग, विधायक ने विधानसभा को लिखा पत्र

बिभा संवाददाता

बरहरवा । पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से करोड़ों रुपए की लागत से कोटलपोखर बाजार के लिए बनाया गया ग्रामीण जल पूर्ति योजना पिछले एक वर्ष से बंद पड़ा हुआ है। जिस कारण यहां के लोगों को शुद्ध पेयजल प्राप्त नहीं हो रहा है। जिसको लेकर पाकुड़ विधायक निसात आलम ने झारखंड विधानसभा में निवेदन पत्र भेजा है। वहीं विधायक निसात आलम ने बताया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्हें जानकारी प्राप्त हुआ है कि जलापूर्ति योजना पिछले एक साल से ठप पडा हुआ है जबकि यह योजना सरकार ने पूर्ण कर ग्रामीणों के लिये सौंप दिया है जबकि यहां पर विभागीय लापरवाही एवं कुछ अन्य गड़बड़ी के कारण यह योजना बंद पड़ा हुआ है उन्होंने पूरे मामले को लेकर विधानसभा समिति विभागीय मंत्री एवं विभागीय सचिव को इस संबंध में वार्ता भी किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण के लिए काफी वरदान साबित हो रहा था लेकिन पिछले एक वर्ष से बंद रहने के कारण काफी दिक्कत हो रही है कई लोगों को आज भी बाजार से खरीद कर शुद्ध पेयजल पीना पड़ रहा है, जबकि सरकार ने शुद्ध पेयजल के लिए बड़ा सा टंकी एवं पाइपलाइन का निर्माण करवाया है यहां पर पानी गुमानी नदी से सीधे पहुंचता है और फिल्टर होकर पूरे बजार में सप्लाई होता है। साथ ही विधायक ने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि उक्त योजना को चालू करने को लेकर जल्द पहल करते हुए लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

11 बकायादारों का काटे गए विद्युत कनेक्शन

उधवा । उधवा प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उधवा चौक, पहाड़गांव एवं बोतलुटोला गांव में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 11 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 11 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल, इस्लाम शेख, अरूण मंडल, प्रकाश मंडल, शौकत शेख, दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारी तेज, बीएलओ - सुपरवाइजर की हुई बैठक

राजमहल । राजमहल प्रखंड सभागार में सोमवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो यूसुफ की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राजमहल प्रखंड के सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और सुपरवाइजर शामिल हुए। वही बैठक में मुख्य रूप से आगामी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बीडीओ मो यूसुफ ने सभी पुराने और नवनियुक्त बीएलओ को निर्देशित किया कि वे एसआईआर कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर लें। साथ ही उन्होंने बताया कि एनेक्सर-1 के तहत होने वाले इस गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ को मतदाता सूची की जांच करनी है। साथ ही, जांचोपरांत संबंधित स्थानों पर स्टिकर चिपकाकर मोहर लगाने का कार्य भी सुनिश्चित करना है। वही बैठक में भरत मंडल, विजय कुमार, सूर्यनारायण चौधरी, शम्स आजम, सेबास्टियन हांसदा सहित प्रखंड के कई कर्मी और पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जागरूकता : सहियाओं को परिवार नियोजन व टीबी रोकथाम को लेकर दिया प्रशिक्षण

राजमहल । राजमहल प्रखंड स्तर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में सहिया को परिवार नियोजन की अस्थायी एवं स्थायी विधियों से संबंधित सामग्रियों के ऑनलाइन कार्य का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य डिजिटल माध्यम से सेवाओं के संपादन को सरल और प्रभावी बनाना था।वही कार्यक्रम के तहत परिवार नियोजन रसद प्रबंधन सूचना प्रणाली पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे सहिया बहनें गर्भनिरोधक सामग्रियों की उपलब्धता और वितरण को बेहतर ढंग से संभाल सकें। प्रशिक्षण के दौरान सहियाओं को ऑनलाइन डेटा एंट्री और रिपोर्टिंग की बारीकियां सिखाई गईं। वहीं, टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से टीबी विभाग के सहयोग से अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में एक जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान लोगों को टीबी रोग के लक्षण, बचाव और इलाज के प्रति जागरूक किया गया तथा समाज से इस बीमारी को जड़ से खत्म करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान से ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर मनरेगा कर्मी, प्रखंड कार्यालय के समक्ष दिया धरना

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल प्रखंड कार्यालय परिसर में मनरेगा कर्मचारियों ने तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के पहले दिन धरना देकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। मनरेगा कर्मचारी के बैनर तले आयोजित इस धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव ने किया। वही धरना स्थल पर पदाधिकारियों और कर्मियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी समस्याओं से संबंधित मांगपत्र पर चर्चा की। इस अवसर पर विनोद रूज, संध्या मंडल, बीना मरांडी, अखिलेश पंडित सहित बड़ी संख्या में मनरेगा कर्मी उपस्थित थे। साथ ही हड़ताली कर्मचारियों ने मुख्य रूप से पांच सूत्रीय मांगों पर जोर दिया। इनमें नियमितीकरण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति का निर्माण, राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत पदाधिकारियों के समान वेतन संरचना (ग्रेड-पे) लागू करना, सामाजिक सुरक्षा नीति के तहत स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मृत्यु मुआवजे का प्रावधान शामिल है। साथ ही इसके अलावा कर्मियों ने कई माह से लंबित बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान करने, मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को समुचित आर्थिक सहायता और लाभ देने की मांग भी रखी। उन्होंने मानदेय भुगतान की समयबद्ध एवं सुनिश्चित व्यवस्था लागू करने तथा अनावश्यक कार्यभार और अव्यावहारिक लक्ष्य निर्धारण पर रोक लगाने की भी मांग की। वही प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आगामी दिनों में आंदोलन को और तीव्र किया जाएगा। तीन दिवसीय यह सांकेतिक हड़ताल रविवार और सोमवार को भी जारी रहेगी।

उधवा में विभिन्न मांगों को लेकर मनरेगा कर्मियों ने शुरू की सांकेतिक हड़ताल

उधवा । उधवा प्रखंड कार्यालय परिसर में मनरेगा कर्मी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार से सांकेतिक हड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मनरेगा कर्मियों की ओर से सोमवार से तीन दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर चले जाने के कारण मनरेगा की विकास योजनाएं ठप हो गई। इस दौरान मनरेगा कर्मियों का कहना है कि सरकार के सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करते आ रहे है,परंतु सरकार की ओर से हमेशा मनरेगा कर्मी उपेक्षा का शिकार होते आ रहे है। मनरेगा कर्मियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण के लिए स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति का निर्माण,राज्य मनरेगा कोषांग में कार्यरत पदाधिकारी के समरूप वेतन संरचना (ग्रेड-पे) लागू करना, सामाजिक सुरक्षा नीति (स्वास्थ्य बीमा,पेंशन और मृत्यु मुआवजा लागू करना,कई माह से लंबित बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान, मृत मनरेगा कर्मियों के आश्रितों को समुचित आर्थिक सहायता और लाभ, मानदेय भुगतान की समयबद्ध और सुनिश्चित व्यवस्था तथा अनावश्यक कार्यभार और अव्यावहारिक लक्ष्य निर्धारण पर रोक शामिल है। मनरेगा कर्मियों का कहना है कि विगत 12 महीने से उनलोगों को वेतन नहीं मिलने से घर परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। साथ ही बताया कि 11 मार्च तक चलने वाले सांकेतिक हड़ताल के बीच में सरकार यदि सहानुभुति पूर्वक मसले का हल नहीं करती है तो 12 मार्च से मनरेगा कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने की बात कही है। मौके पर मनरेगा बीपीओ प्रियरंजन कुमार, ग्राम रोजगार सेवक माउद आलम, महाताब आलम, हफीजुर रहमान, असरफ अली, मोहम्मद हसनुजमान, विद्युत मिर्घा, गिलवट सोरेन सहित अन्य मौजूद थे।

जमालपुर में महिला दिवस पर हृदय परियोजना कार्यक्रम, सुरक्षा व जागरूकता पर जोर

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल थाना क्षेत्र के जमालपुर में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एलआईसी एचएफएल हृदय परियोजना की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन, महिला थाना प्रभारी करुणा, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी मौजूद थे। इस अवसर पर पूर्व महिला थाना प्रभारी पूजा कुमारी और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे। साथ ही एलआईसी एचएफएल हृदय परियोजना के तहत आयोजित इस समारोह में पुलिस अधिकारियों ने महिला सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका पर विचार व्यक्त किए। वही थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और पुलिस विभाग में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय है। वही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वही इस मौके पर एलआईसी एचएफएल के पदाधिकारियों ने बताया कि हृदय परियोजना के तहत इस तरह के आयोजन समाज में जागरूकता लाने और महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए किए जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक में पंचायत सचिव, प्रज्ञा केंद्र संचालक व सहायकों को दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित बीपीआरसी भवन में सोमवार को प्रखंड स्तरीय पंचायत सचिवों, प्रज्ञा केंद्र संचालकों, पंचायत सहायकों एवं पेसा मोबलाईजर्स की एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने पंचायत ज्ञान केंद्र, सुदृढ़ीकरण, पंचायत सहायता केंद्र, प्रज्ञा केंद्र, रात्रि प्रहरी, बायोमेट्रिक उपस्थिति, इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली बिल का भुगतान, शुद्ध पेयजल, शौचालयों में पानी की उपलब्धता, कर्मियों को प्रति कार्य दिवस सचिवालय भवन में बैठकर कार्य करने की संबंधित रोस्टर एवं रोस्टर की सूची का अनुपालन,मासिक कार्यकारिणी बैठक, मासिक समन्वयक समिति की बैठक सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा की गई। साथ ही उन्होंने पंचायत कर्मियों को कार्य निष्पादन करने को लेकर कई दिशा-निर्देश दिए। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, प्रखंड समन्वयक विनोद मरांडी, पंचायत सचिव संतोष कुमार सुमन, सत्यनारायण रजवार, मोनिका मुर्मू, प्रेमचंद रजक, शिवराम मुर्मू, नुकुल कुमार, पंचायत सहायक पवन कुमार मंडल, दिपक कुमार शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती ने सोमवार को समहरणालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनकी सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उपायुक्त ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही, उन्होंने कर्मियों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए ईवीएम की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नव चयनित सेविका व सहायिकाओं के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा आरएम-जनमन एवं डीए-जगुआ योजना के अंतर्गत नव चयनित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण तथा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सिद्धो-कान्हो सभागार में किया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त हेमंत सती, उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों का स्वागत नन्हा पौधा भेंट कर किया गया, तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। वहीं उपायुक्त हेमंत सती ने नव चयनित सेविका एवं सहायिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों को भोजन कराने का स्थान नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि बच्चे के जन्म से लेकर शुरूआती 1500 दिन उसके मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की देखभाल की जाती है। उन्होंने सेविकाओं से आह्वान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें तथा आंगनबाड़ी केंद्र को अपने दूसरे घर की तरह संचालित करें। वहीं उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने कहा कि नव नियुक्त सेविका एवं सहायिकाओं के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र को नियमित रूप से समय पर खोलने, बच्चों की उपस्थिति, पोषण, स्वच्छता, पेयजल एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से केंद्र की गतिविधियों की ऑनलाइन निगरानी की जाती है, इसलिए सभी पैरामीटर को सही तरीके से दर्ज करना अनिवार्य है। वहीं कार्यक्रम के दौरान कुल 17 नव चयनित आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह- प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रॉंची मंडल के तहत विभिन्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी सूचना

सं.: सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2026 दिनांक: 06.03.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रॉंची-834003 द्वारा रॉंची मंडल के तहत ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैं। सूचीपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट पर पहले की प्रकाशित कर दिया गया है। विवरण नीचे उल्लेखित है: **क्रम सं. एवं श्रेणी; सूचीपत्र सं.; सम्पत्ति का विवरण; नीलामी शुरू; नीलामी समाप्त होने की तारीख** क्रमशः निम्नलिखित हैं: (1) **एमपीएस;** आरएनसीएमपीएस31; रॉंची मंडल के तहत 09 अदद बहु-उद्देशीय स्टॉलों के लिए ई-नीलामी; दिनांक 20.03.2026 को अपराह्न 1.00 बजे; दिनांक 20.03.2026 को अपराह्न 02.50 बजे। (2) **डब्ल्यूवीएम (विविध स्थैतिक);** आरएनसीडब्ल्यूवीएम22; रॉंची मंडल के तहत 09 अदद डब्ल्यूवीएम की स्थापना एवं संचालन के लिए ई-नीलामी; दिनांक 23.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे; दिनांक 23.03.2026 को दोपहर 12.50 बजे। (3) **कैटरिंग; (i)** आरएनसीकैटरिंग37; रॉंची मंडल के तहत (जीएमयू एवं एसएमयू) में 50 अदद कैटरिंग इकाइयों के लिए ई-नीलामी; दिनांक 18.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे; दिनांक 19.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **(ii)** आरएनसीकैटरिंग37ए; रॉंची मंडल के तहत (मूरी, इटकी एवं नागजुआ स्टेशनों में 3 अदद कैटरिंग इकाइयों के लिए ई-नीलामी; दिनांक 20.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे; दिनांक 20.03.2026 को पूर्वाह्न 11.50 बजे। (4) **विविध स्थैतिक (फूड वैन);** आरएनसीफूडवैन4; रॉंची मंडल के तहत रॉंची, पिस्का एवं अरगोड़ा रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में (ग्राहकों की सेवा में 24x7) फूड वैन की 5 वर्षों की अवधि के लिए संचरना, संचालन एवं रखरखाव; दिनांक 24.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे; दिनांक 24.03.2026 को दोपहर 12.20 बजे। (5) **एवीएम;** आरएनसीएवीएम22ए; रॉंची मंडल के तहत 02 अदद डब्ल्यूवीएम की स्थापना एवं संचालन के लिए ई-नीलामी; दिनांक 19.03.2026 को अपराह्न 2.00 बजे; दिनांक 19.03.2026 को अपराह्न 02.40 बजे। (6) **कैटरिंग;** आरएनसीफूडवैन4; गोला रोड के गुड्स शेड में कैंटीन की सुविधा की स्थापना एवं प्रबंधन का प्रावधान; दिनांक 24.03.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे; दिनांक 24.03.2026 को पूर्वाह्न 11.50 बजे। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस की वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी पट्टा प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। ऊपर उल्लेखित सूचीपत्र के अंतर्गत लॉट वार विवरण उपलब्ध है।

(PR-1278) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रॉंची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

'यह तो बस शुरुआत है', हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भरी हुंकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जिंदगी में मुश्किलों का सामना करने से लेकर लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अपने सफर के बारे में बताया। पांड्या ने कहा कि अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी जीत उनके उस वादे का सबूत है जो उन्होंने खुद से किया था कि वे भारत के लिए ट्रॉफी जीतेंगे। उन्होंने 2024 वर्ल्ड कप में वापसी की, जबरदस्त वापसी की और 17 साल बाद जीत हासिल की।

हार्दिक पांड्या ने जियोस्टार पर कहा, 'जब हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो मैं पर्सनली बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा था। उस टूर्नामेंट से पहले बहुत कुछ हुआ था और चीजें मेरे हिसाब से नहीं हो रही थीं। 2024 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले, मैंने मन बना लिया था कि मैं वापसी करूंगा। मैं जबरदस्त वापसी करना चाहता था। मैंने ऐसा किया और अपनी टीम को 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने में मदद की। अहमदाबाद में इस टी20 वर्ल्ड कप जीत की बात करें तो, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा जीता रहा हूं। मैं अपने देश के लिए अच्छा करने और ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलता हूं। मैं भारत के लिए सभी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।'

पांड्या ने कहा, 'बारबाडोस में जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जो भी टूर्नामेंट खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा, और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जीत इस बात का सबूत है कि मैंने खुद से जो वादा किया था, वह सच हो गया है। और यह तो बस शुरुआत है।'

भारत ने मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड को 96 रन के बड़े अंतर से हराकर अपना टी20 वर्ल्ड कप खिताब बचाया। इस जीत के साथ भारत अपने घर में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, 2024 एडिशन जीतने के बाद लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम, और इसे तीन बार (2007, 2024, 2026) जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पंड्या की बात करें तो उन्होंने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 9 पारियों में 27.12 के औसत और 160.74 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। 32 साल के स्टार ऑलराउंडर ने भारत के लिए गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9 मैचों में 2/16 के बेस्ट फिगर के साथ कुल 9 विकेट लिए।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधु, भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, 'वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।' भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झि रे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में उन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

–रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, ÷कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।, ÷ गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।' 'कोच साहब' वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः 'बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।' इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है।साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं।इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है।गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है।मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है।गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया।साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं।साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है।साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं।उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है।साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी।कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया।वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं।उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते।.हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये।गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो–दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं।इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था।भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है।इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

28 मार्च से शुरु हो सकता है आईपीएल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र 28 मार्च से शुरू होने की संभावनाएं हैं ।वहीं इसका फाइनल 31 मई को खेला जाना तय हुआ है।आईपीएल में पहला मुकाबला परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी और पिछली उपविजेता पंजाब किंग्स के बीच होगा।ये मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत की तारीख तय हो गयी हैं पर लेकिन बीसीसीआई ने अभी तक इस 19 सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है।माना जा रहा है कि इसका कारण अप्रैल और मई में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।इस तीनों ही राज्यों में भी आईपीएल मैच स्थल हैं। आईपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी करनी होती है।इसी काण भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक मतदान तारीखों का इंतजार कर रहा है।इन तारीखों के सामने आने के बाद ही आईपीएल 2026 के पूरे कार्यक्रम को बोर्ड जारी करेगा।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है।अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे।ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ।बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की।एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं।सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया।अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी।वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी।इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है।वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे।चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये।एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके।सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये।ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।' मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीज़ों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, 'हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।'

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर ।भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है।उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है।एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं।भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले।जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ।8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं।शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं।वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं।अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है।वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता।कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए।अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं।इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

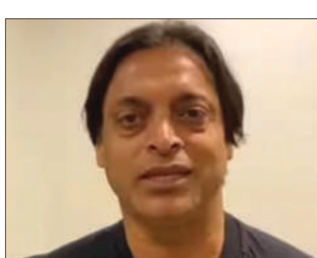

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे । सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड–दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड ।न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा।तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी।तहूहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है।उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी।उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा।साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं।उनके पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है।ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है।उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है।उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहूहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवीसय मैच आईसीसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

सैमसन की बल्लेबाजी में नजर आती है कोहली और रोहित दोनो की खूबी : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने टी20 विश्वप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुंबले ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी बल्लेबाजी विराट और रोहित का मिला-जुला रुप है।

कुंबले के अनुसार सैमसन जरुरत के अनुसार कोहली की तरह एक छोर को संभाल सकता है और पावरप्ले में रोहित की तरह आक्रामक रुख अपना कर रन बटोर सकता है।, कुंबले ने सैमसन की बल्लेबाजी के रवैये को लेकर कहा कि कहा, अगर आप 2024 के पिछले विश्व कप को देखें, तो उसमें विराट और रोहित दोनो ही शामिल थे। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनकी जगह की कमी पूरी करना कठिन है। मुझे लगता है कि सैमसन एक तरह से कोहली और रोहित का मिला-जुला रुप हैं। जब कोहली की थोड़ी जरूरत होती है, तो वह योजना बनाते हैं और इस बात का प्रयास करते हैं कि आप विकेट न खोएं और फिर जब भी तेजी से रनों की जरूरत होती है पावरप्ले में रोहित की तरह गेंदबाजों का सामना करना चाहते हैं। सैमसन ने फाइनल में अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए केवल 7.1 ओवर में 98 रन बनाये। इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि मुझे तो ऐसा लगा कि मैं सैमसन की पिछली पारी को देख रहा हूं।

डुप्लेसिस ने कहा, ÷आप देख सकते हैं कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो फॉर्म में है और जिस तरह से खेलना चाहता है, उस पर पूरी तरह से अमल करने में सफल रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं पिछली पारी फिर से देख रहा हूं। यह बस गेम प्लान दिखा रहा है।÷

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें

- यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयॉर्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कॉरिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा- साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली ।

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सॉवरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पॉइंट अटैक सरफेस बन जाता है। पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना ऑफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सॉवरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं सरकारी योजनाएं: निर्मला सीतारमण

महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच उन्हें असली आज़ादी दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं और घरों तथा समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जनधन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश में अब तक 57.71 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं, जो पूरे भारत में वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्य-पूर्व तनाव से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

भारत की प्रमुख गैस कंप नियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए देश की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की दिशा में कदम उठा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से 5, 19 और 425 किलोग्राम वाले जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने की चर्चा है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों की चिंता बढ़ गई है। गैस कंपनियों के प्लांट्स पर सिलेंडर भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगने की जानकारी भी सामने आ रही है। डीलरों का कहना है कि उन्हें सीमित कोटा ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं की आपूर्ति को हर हाल में सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ नए नियम और शर्तें लागू की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण बने रहते हैं तो इसका असर व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसे में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार और ऊर्जा कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखने के प्रयास जारी हैं।

अरबों डॉलर का भारतीय माल रास्ते में अटका, 45,000 कंटेनर फंसे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के मुताबिक, लगभग 40,000-45,000 कंटेनर फिलहाल मार्ग में फंसे हैं या अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत समुद्री मार्ग में हैं। इन कंटेनरों में कुल 1-1.5 अरब डॉलर मूल्य का माल शामिल है, जिसमें बासमती चावल लगभग 4 लाख टन शामिल हैं। शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं। इन कारणों से प्रति कंटेनर लागत तीन से पांच गुना बढ़ गई है। एक व्यापार नीति विश्लेषक के अनुसार, सामान्य दिनों में अरब सागर में माल ढुलाई की लागत 800-1,500 डॉलर होती थी, अब इसे अतिरिक्त 3,000-5,000 डॉलर जोड़ना पड़ रहा है। बीमाकर्ताओं द्वारा युद्ध जोखिम कवर रद्द कर दिया गया है, जिससे निर्यातकों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। कुछ निर्यातक बेक टू टाउन विकल्प पर विचार कर रहे हैं, जिससे बंदरगाह से माल वापस लाकर घरेलू बाजार में बेचा जा सके। इसके अलावा यदि खाड़ी देशों के बंदरगाह पर माल उतारना संभव न हो, तो इसे सलालाह जैसे वैकल्पिक बंदरगाहों पर उतारा जा सकता है।

150 डॉलर के पार पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली ।

दुनिया की लगभग 20 फीसदी क्रूड ऑयल सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह जल मार्ग जल्द खुलता है, तो तेल की कीमतें गिर सकती हैं और बाजार सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर बंदी कई सप्ताह तक बनी रहती है, तो सप्लाई में बाधा और कीमतों में तेजी आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 125 डालर प्रति बैरल रेजिस्टेंस स्तर है। इस स्तर को पार करने पर कीमतें 145-150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जो 2008 के उच्च स्तर के करीब है। वहीं 90 डॉलर प्रति बैरल महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में उभर सकता है, जो बाजार में तनाव कम होने का संकेत देगा। तेल की कीमतें सिर्फ सात दिनों में 65 फीसदी तक बढ़ी, जो बेहद असामान्य है। यह तेजी 2022 के एनर्जी संकट से अलग है, क्योंकि तब बढ़ोतरी मुख्य रूप से भू-राजनीतिक डर से थी, जबकि अब वास्तविक सप्लाई बाधित हो रही है।

क्रूड का दाम बढ़ने से अपस्ट्रीम कंपनियों को लाभ, ओएमसी और अन्य सेक्टर्स पर दबाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार को तेल की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। भारत जैसे देशों के लिए जो कच्चा तेल आयात करते हैं, यह स्थिति अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। तेल उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सीधे लाभान्वित होती हैं। इन कंपनियों के लिए हर 1 डॉलर की कीमत बढ़ोतरी से सालाना 300-400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू होने का अनुमान है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें चुनौती बन सकती हैं। सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतें बढ़ाने के पक्ष में नहीं है, इसलिए बढ़ी हुई लागत सीधे इन कंपनियों के मार्जिन और मुनाफे पर असर डालती है। पेंट कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें चिंता का विषय हैं। पेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई रसायन पेट्रोकेमिकल से जुड़े होते हैं। लागत बढ़ने पर कंपनियों को उत्पाद की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे बिक्री और मांग प्रभावित हो सकती है। ब्रोकरेज फर्मों ने एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स के टारगेट कम किए हैं। एविएशन कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें बड़ी चुनौती हैं। इंडिगो जैसी एयरलाइंस के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल का खर्च बढ़ने से संचालन और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1352 , निफ्टी 422 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संधर्ष के बढ़ने से भी बाजार टूटा है क्योंकि निवेशकों में भय का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक करीब 1.71 फीसदी नीचे आकर 77,566.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक फिसलकर 24,028.05 पर बंद हुआ। हालांकि बाजार में निचले स्तरों पर खरीददारी से कुछ रिकवरी हुई। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट से शुरुआत हुई । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब ऐ विएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 फीसदी तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

पेज एक का शेष

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार...

उन्होंने बताया कि देश के सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं तथा आयुष्मान भारत योजना और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से आम नागरिकों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया गया है। प्रधानमंत्री ने ह्यकेयर इकॉनमीह्ल के उभरते महत्व का भी उल्लेख किया और कहा कि दुनिया भर में प्रशिक्षित देखभाल कर्मियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से युवाओं को इस क्षेत्र में तैयार करने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह किया। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टेली-मेडिसिन ने दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन सेवाओं को और अधिक सरल बनाने तथा इनके प्रति जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

शिक्षा क्षेत्र पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवाओं की बदलती सोच और ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा को वास्तविक अर्थव्यवस्था और बाजार की मांग से जोड़ना बेहद जरूरी होगा। उन्होंने विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान आधारित शिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में बढ़ती महिला भागीदारी पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की तकनीकों में बेटियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर जोर दिया जिसमें युवा शोधकताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और नवाचार करने का पूरा अवसर मिले।

खेलों के महत्व पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति का आधार होते हैं। उन्होंने ह्यखेलो इंडियाह्ल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश के छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभी से युवा खिलाड़ियों को तैयार करना जरूरी है। उन्होंने खेल संगठनों को अधिक पेशेवर बनाने और खिलाड़ियों के लिए संरचित वित्तीय सहायता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया, ताकि आने वाले कॉमनवेल्थ खेलों और ओलंपिक जैसे आयोजनों में भारत का प्रदर्शन और बेहतर हो सके। पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पारंपरिक पर्यटन स्थलों के अलावा नए पर्यटन केंद्रों के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इससे न केवल शहरों की पहचान मजबूत होगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षित गाइड, बेहतर आतिथ्य कौशल, डिजिटल कनेक्टिविटी और स्थानीय समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण स्तंभ बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही स्वच्छता और टिकाऊ विकास के सिद्धांतों को भी प्राथमिकता देनी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि संस्थानों, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच बेहतर समन्वय से देश की प्रगति को और तेज किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वेबिनार में होने वाली चचाएं भविष्य के लिए ठोस मार्गदर्शन प्रदान करेंगी और विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करने में सहायक होंगी।

चुनावी हिंसा पर शून्य सहनशीलता....

इसके साथ ही कई दलों ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने मतदाताओं को डराने-धमकाने की संभावनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। कुछ प्रतिनिधियों ने चुनाव के दौरान कच्चे बम, अवैध हथियारों के इस्तेमाल तथा धनबल और बाहुबल के प्रभाव की आशंका भी जताई। राजनीतिक दलों ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की मांग भी उठाई। साथ ही कई दलों ने सुझाव दिया कि मतदान एक या दो चरणों में कराया जाए ताकि हिंसा की संभावना कम हो और प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। इन चिंताओं के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोहराया कि आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यह भी बताया कि मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने या विवरण में सुधार के लिए प्रपत्र 6, 7 और 8 अभी भी जमा किए जा सकते हैं। बैठक के अंत में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आगामी चुनाव शांतिपूर्ण और बिना हिंसा के संपन्न कराने में आयोग को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

यात्रा रद्द करने से पहले जानें रिफंड और वैकल्पिक उड़ान के नियम

एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया की यात्रा पर निकले कई यात्री हाल ही में बढ़ते युद्ध और हवाई मार्ग बंद होने की वजह से अपनी उड़ान और होटल बुकिंग रद्द कर रहे हैं। यात्रियों को पहले तय करना चाहिए कि वे यात्रा करना चाहते हैं या रिफंड लेना चाहते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश-ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और कोई भी कदम उठाने से पहले नियमों को समझ लें। यदि युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने की वजह से एयरलाइन अपनी उड़ान रद्द करती है, तो नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के` नियम स्पष्ट हैं। बुकिंग करा चुके यात्री को पूरी रकम वापस मिलती है या उसकी वैकल्पिक यात्रा का इंतजाम किया जाता है। ऐसी स्थिति को फोर्स मैजर कहा जाता है।` विशेषज्ञ के अनुसार इस तरह की असामान्य परिस्थितियों में एयरलाइन से अलग मुआवजा मांगना जरूरी नहीं होता, लेकिन मूल टिकट की रकम लौटानी होती है। रिफंड का अधिकार मजबूत करने के लिए एयरलाइन से लिखित में पुष्टि लेना जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे। अगर यात्री खुद टिकट रद्द करा लेता है मगर उड़ान चालू रहती है तो तब तक किराये के सामान्य नियम लागू होंगे, जब तक एयरलाइन किराया माफ करने के या मुफ्त में कैंसल करने की नीति नहीं लाती है। जब एयरलाइन उड़ान को टालने या शुल्क माफ करने जा रही हो तो नॉन-रिफंडेबल किराये वाले टिकट कैंसल बिल्कुल नहीं करें। लॉ ` विशेषज्ञों की सलाह है, यात्रियों को खुद टिकट कैंसल नहीं करने चाहिए बल्कि एयरलाइन से लिखित कैंसलेशन मांगना चाहिए ताकि रिफंड का उनका अधिकार बना रहे। अगर एयरलाइन आपको वैकल्पिक उड़ान का प्रस्ताव देती है तो उसे स्वीकार करना और यात्रा करना जरूरी नहीं है। अगर आपको लगता है कि तेज होते युद्ध के बीच आपको सफर नहीं करना है तो आप एयरलाइन से उसकी जगह पूरा किराया वापस मांग सकते हैं।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने केतन मर्चेंट को नया अंतरिम सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली ।

फिनो पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ ऋषि गुप्ता को पिछले महीने जीएसटी से संबंधित कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के बोर्ड ने गुप्ता के कार्यभार की जिम्मेदारी मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को सौंप दी थी। बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केतन मर्चेंट को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 27 फरवरी, 2026 से तीन महीने या गुप्ता के फिर से कार्यभार संभालने तक लागू होगी। मर्चेंट बैंक के सीएफओ भी हैं और गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने बैंक के रोजमर्रा के संचालन का नेतृत्व किया। गुप्ता का बैंक में वापस आना बोर्ड और नामांकन व पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उनकी उपयुक्तता की पुन- समीक्षा और आरबीआई की मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तारी से लगभग एक महीने पहले ही आरबीआई ने गुप्ता का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी, जो 2 मई, 2026 से प्रभावी होगा।

रांची में दवाओं की सही कीमत और फार्मा सही दाम ऐप पर राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

राज्य की गरीब और ग्रामीण जनता को दवाइयों के सही मूल्य के प्रति जागरूक करना आज की आवश्यकता : अजय कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी के आईपीएच सभागार में सोमवार को द ड्रग्स (प्राइस कंट्रोल) ऑर्डर, 2013 एवं फार्मा सही दाम ऐप विषय पर एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । झारखंड स्टेट फार्मास्युटिकल प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी, भारत सरकार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह थे ।

मुख्य अतिथि अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य की गरीब और ग्रामीण जनता को दवाइयों के सही मूल्य के प्रति जागरूक करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि फामेर्सी के छात्र-छात्राओं और केमिस्ट-ड्रगिस्ट संगठनों का

सहयोग लिया जाए, तो इस प्रकार के जागरूकता अभियानों को और अधिक व्यापक और प्रभावी बनाया जा सकता है ।

इस अवसर पर एनपीपीए के डायरेक्टर कुमार अमन भारती ने दवाओं के मूल्य निर्धारण की जटिल प्रक्रिया को स्पष्ट किया और कहा कि कोई भी दवा कंपनी सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर दवा नहीं बेच सकती । उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों से ओवरचार्ज की गई राशि वसूली जाएगी ।

निदेशक (औषधि) श्रीमती ऋतु सहाय ने झारखंड स्टेट फार्मास्युटिकल प्राइस मॉनिटरिंग एंड रिसोर्स यूनिट के कार्यों और राज्य में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि जेपीएमआरयू के अंतर्गत कई आईईसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं ताकि लोगों में बृहद जागरूकता पैदा हो सके। इसके साथ मार्केट सर्वे में लगभग 600 दवाइयां, जिसमें ओवर प्राइसेज का केस था, उस संबंध में एमपीपीए को रिपोर्ट किया जा चुका है ताकि अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने ₹फार्मा सही दाम₹ मोबाइल ऐप की उपयोगिता बताई और उपस्थित लोगों से अपील की कि वे इस ऐप को अपने मोबाइल में इंस्टॉल करें ताकि दवाओं की सही कीमत की जांच तुरंत की जा सके । इस जागरूकता कार्यक्रम में एनपीपीए के डायरेक्टर श्री कुमार अमन भारती, अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा, डायरेक्टर-इन-चीफ डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, उप-निदेशक डॉ. सुजीत कुमार, श्री कुमार रजनीश सिंह, सहायक निदेशक श्री राम कुमार झा और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर श्री गुलाम रब्बानी ने भी अपने विचार साझा किए ।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सदस्य, फामेर्सी कॉलेजों के विद्यार्थी और औषधि नियंत्रण निदेशालय के अधिकारी भारी संख्या में उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

कोलकाता: कोल इंडिया द्वारा आयोजितअखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र क्रिकेट टूनार्मेंट 25-26का शुभारंभ सोमवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्थित 22 याड्र्स स्कूल ऑफ क्रिकेट ग्राउंड में, टूनार्मेंट ट्रॉफी के अनावरण के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में कोयला मंत्रालय की अपर सचिव रुपिंदर ब्रार, संयुक्त सचिव मनोज कुमार गंगेया, कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक) डॉ. विनय रंजन, निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित थे। गणमान्य अतिथियों ने भाग लेने वाली टीमों से मुलाकात की और उन्हें खेल भावना के साथ टूनार्मेंट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित यह टूनार्मेंट 9 से 17 मार्च तक चलेगा, जिसमें 15 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में कार्यरत देश के कई प्रमुख क्रिकेटर भी हिस्सा ले रहे हैं। टूनार्मेंट के मैच कोलकाता के तीन मैदानों–22 याड्र्स स्कूल ऑफ क्रिकेट ग्राउंड, बेहाला ग्राउंड और गुलमोहर ग्राउंड–पर लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में खेले जाएंगे। इस टूनार्मेंट का उद्देश्य देश भर के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के कर्मचारियों के बीच आपसी सौहार्द, टीमवर्क और स्वस्थ खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने महिला दिवस पर 53 महिला कर्मचारियों को किया सम्मानित

कोलकाता: दक्षिण पूर्व रेलवे ने अपने मुख्यालय, गार्डन रीच में बड़े उत्साह के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा थे। इस अवसर पर सौमित्र मजूमदार, अपर महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा महिला कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दक्षिण पूर्व रेलवे ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे की 53 महिला कर्मचारियों को उनके-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का विषय था – "Give To Gain" (देने से ही प्राप्ति होती है)। महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार मिश्रा ने दक्षिण पूर्व रेलवे में कार्यरत लगभग 7,603 महिला कर्मचारियों के कार्य-प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिला कर्मचारियों की निष्ठा, समर्पण और कड़ी मेहनत की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर है। दक्षिण पूर्व रेलवे की महिला कर्मचारी सुरक्षा श्रेणी के महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य कर रही हैं, जैसे ट्रैक मेंटेनर, पॉइंट्समैन, लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मैनेजर आदि। इसके अलावा आरपीएफ की महिला कर्मी भी उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में मुख्यालय, सभी मंडलों और कार्यशालाओं द्वारा महिला कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जैसे स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रम। इस अवसर पर मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम द्वारा एक सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

मजदूरों का शोषण बंद हो: देवेन्द्र नाथ महतो

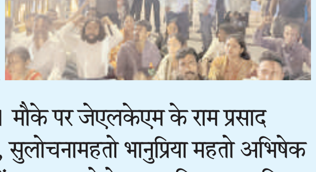

जमशेदपुर : जेएलकेएम केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के नेतृत्व में टाटा स्टील कंपनी जमशेदपुर मेन गेट दो घंटा से जाम । पिछले बीस सालों से कार्यरत सिल्ली मारदू निवासी रोबिन महतो का कार्य के दौरान दुर्घटना से मौत। मौके पर जेएलकेएम के राम प्रसाद महतो, मीनाक्षी देवी, भानुमति देवी, सुलोचनामहतो भानुप्रिया महतो अभिषेक वर्मा गणेश कुम्हार तपन महतो, देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि मृतक परिवार को पचास लाख रुपए मुआवजा, तीनों बेटा को स्थाई नौकरी और मृतक के पत्नी अनिता महतो को आजीवन पेंशन दिया जाय ।

झारखंड सरकार की बहुप्रतीक्षित सीधी नियुक्ति नियमावली जारी, खिलाड़ियों में हर्ष की लहर

झारखंड खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा: डॉ. मधुकांत पाठक

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित सीधी नियुक्ति नियमावली 2026 जारी कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद राज्य के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल संगठनों में खुशी की लहर देखी जा रही है। इस नियमावली के लागू होने से झारखंड के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सरकारी सेवा में अवसर प्राप्त होगा, जिससे राज्य में खेल गतिविधियों को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ . मधुकांत पाठक ने इस नियमावली को खिलाड़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और संतोषजनक बताया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से राज्य के खिलाड़ी ऐसी नीति की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिससे उनकी खेल उपलब्धियों का सम्मान हो सके और उन्हें भविष्य की सुरक्षा मिल सके। इस नियमावली के लागू होने से झारखंड के खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में और अधिक मेहनत करेंगे तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

डॉ. पाठक ने कहा कि यह खिलाड़ियों के लिए एक नया अवसर है, जहाँ वे अधिक मेहनत कर राज्य के लिए पदक जीतकर अपना भविष्य सुरक्षित कर सकेंगे।

डॉ. पाठक ने बताया कि झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की स्पष्ट मंशा रही है कि राज्य के अधिक से अधिक खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाए। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए यह नीति लागू की गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस नियमावली के लागू होने से झारखंड में खेलों का वातावरण और मजबूत होगा तथा आने वाले वर्षों में राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीतकर झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

डॉ. पाठक ने बताया कि नई नियमावली में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को भी सरकारी सेवा में सीधी नियुक्ति देने का प्रावधान किया गया है। इससे राज्य के खिलाड़ियों को यह विश्वास मिलेगा कि खेल के माध्यम से भी वे अपने भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि झारखंड राज्य के गठन के बाद झारखंड के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले सभी खिलाड़ी इस नियमावली के अंतर्गत नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे पूर्व वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी इस नीति का लाभ मिल सकेगा।

डॉ. पाठक ने कहा कि इस सीधी नियुक्ति नियमावली का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को रोजगार का अवसर प्रदान करना है। इसी कारण इस नियमावली में यह प्रावधान किया गया है कि जो खिलाड़ी वर्तमान में किसी सरकारी सेवा में कार्यरत हैं, वे भी अपनी खेल उपलब्धियों के आधार पर इस योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए सरकारी सेवाओं में पहले से लागू 2 प्रतिशत खेल कोटा आरक्षण भी जारी रहेगा, जिससे खिलाड़ियों को दोहरा लाभ मिलेगा। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित ग्रेड एवं योग्यता के अनुसार उन्हें सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जाएगी।

डॉ. पाठक ने इस महत्वपूर्ण नियमावली को लागू करने के लिए राज्य के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार तथा तत्कालीन खेल सचिव मनोज कुमार को बधाई एवं धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि खेल विभाग के अधिकारियों के सकारात्मक सहयोग और प्रयासों के कारण यह नियमावली इस प्रकार बनाई गई है कि राज्य के अधिक से अधिक खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल सके।

डॉ. पाठक ने कहा कि इस नियमावली के लागू होने से राज्य के हजारों खिलाड़ियों को नई उम्मीद मिली है। इससे युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और अधिक से अधिक युवा खेलों को अपना करियर बनाने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में झारखंड खेल के क्षेत्र में अपनी असीमित ऊँचाइयों को छुएगा और राज्य के खिलाड़ी देश और दुनिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

जिंदल स्टील पतरातू में चेयरमैन नवीन जिंदल का जन्मदिन फिटनेस डे के रूप में मनाया गया

बिभा संवाददाता

पतरातू। जिंदल स्टील के चेयरमैन सह कुरुक्षेत्र (हरियाणा) के सांसद नवीन जिंदल का जन्मदिन सोमवार को जिंदल स्टील पतरातू में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिंदल समूह द्वारा 9 मार्च को फिटनेस डे के रूप में मनाते हुए स्वास्थ्य, खेल और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 6 बजे जिंदल क्लब में आयोजित योग सत्र से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर फिट और स्वस्थ रहने का संदेश दिया। इसके बाद सभी अधिकारी, पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने मिलकर केक काटकर चेयरमैन का जन्मदिन मनाया। वहीं जिंदल आशा के बच्चों ने भी केक काटकर चेयरमैन को शुभकामनाएं दीं, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और आनंद का माहौल बन गया।

इस दौरान आर्चरी, फुटबॉल सहित कई खेल गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर चेयरमैन के जन्मदिन की खुशियां साझा कीं तथा प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू के प्लांट प्रमुख के. बी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि चेयरमैन नवीन जिंदल का व्यक्तित्व, कार्यशैली और दूरदर्शी नेतृत्व हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि चेयरमैन सदैव फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि कर्मचारियों में टीम भावना और उत्साह भी पैदा करते हैं।

उपस्थित लोगों ने चेयरमैन नवीन जिंदल के दीघार्यु, स्वस्थ एवं सफल जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका जीवन विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर जिंदल स्टील पतरातू के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस प्रेरणादायक कार्यक्रम को सफल बनाया।

आरपीएसएफ जवानों के लिए मंडल रेल प्रबंधक ने बटालियन रिक्रिएशन रूम एवं यूनिट कैंटीन का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

धनबाद: पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएसएफ) की 10वीं बटालियन परिसर में आज मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा जवानों के कल्याण एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए बटालियन रिक्रिएशन रूम तथा यूनिट कैंटीन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के आईजी-कम-पीसीएससी सुमति शांडिल्य वर्चुअल माध्यम से जूड़े। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने परिसर में वृक्षारोपण किया। नव स्थापित बटालियन रिक्रिएशन रूम जवानों को अवकाश के समय में मानसिक विश्राम की सुविधा प्रदान करेगा, वहीं यूनिट कैंटीन के माध्यम से उन्हें दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं आरपीएसएफ के जवान भी उपस्थित थे।

लोहरदगा में विज्ञान प्रदर्शनी निर्माण पर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) चीरी, लोहरदगा में जिले के उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान शिक्षकों तथा बी.एड. और डी.एल.एड. प्रशिक्षु छात्राध्यापकों के लिए एक दिवसीय गैर-आवासीय विज्ञान प्रदर्शनी निर्माण उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डायट प्राचार्य-सह-जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार के मार्गदर्शन में तथा जे.सी.ई.आर.टी. की वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप किया गया। इसका उद्देश्य जिले के विद्यालयों में विज्ञान प्रदर्शनी के प्रभावी आयोजन को सुनिश्चित करना था। कार्यशाला का उद्घाटन प्रभारी प्राचार्य श्रीमती

अमृता सिन्हा, संकाय सदस्यों एवं रिसोर्स पर्सन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने संबोधन में श्रीमती सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विज्ञान शिक्षण को प्रायोगिक गतिविधियों से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर कम लागत में उपयोगी विज्ञान प्रदर्श तैयार करने पर बल दिया। आगामी 17 मार्च को डायट चीरी में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की तैयारियों के संदर्भ में रिसोर्स शिक्षक अंकेश कुमार मेहता ने प्रतिभागियों को विज्ञान प्रदर्श निर्माण की विभिन्न तकनीकों एवं आवश्यकताओं से अवगत कराया। शिक्षकों को दो समूहों में विभाजित कर गणित एवं विज्ञान विषयों से संबंधित प्रदर्श निर्माण के लिए विषयवार उन्मुखीकरण दिया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रदर्श के मूल्यांकन की प्रक्रिया, उपयोगिता, सृजनात्मकता तथा नवाचार जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न विज्ञान प्रदर्शनियों के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

डायन प्रथा का उन्मूलन जरूरी, कई परिवार हो रहे प्रभावित : डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने सोमवार को पंचाइत कर गोइठ कार्यक्रम के 26वें संस्करण में सभी मुखियाजनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि महिलाओं को डायन कह कर और पुरूषों को बिसाहा कह कर अभी भी प्रताड़ित करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। यह बहुत ही दुखद है कि लोगों को इतनी बार जागरूक किये जाने के बाद भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। जबकि किसी महिला का डायन और पुरूष

का बिसाहा होना बहुत बड़ा अंधविश्वास है। आप सभी मुखिया अपने-अपने पंचायत में ऐसी भ्रांतियों को दूर करें। अगर गांव/पंचायत में किसी महिला या पुरूष के बारे ऐसी चर्चा होती है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को अवश्य दें, आपकी सूचना गोपनीय रखी जाएगी। साथ ही दोषियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया के लिए डीईसी और कृमिनाशक के रूप में अल्बेंडाजोल की खुराक लेना अतिआवश्यक है। एमडीए कार्यक्रम 25 मार्च 2026 तक चलेगा जिसमें छूटे हुए व्यक्ति उक्त खुराक ले सकते हैं। सिर्फ गर्भवती महिलाएं, अत्यंत गंभीर रूप से बीमार और दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे ही इस खुराक को नहीं ले सकते हैं। वैसे लोग जो अभी भी इस दवा का सेवन नहीं किये हैं उन्हें चिन्हित कर संबंधित मुखिया प्रेरित करें और दवा की खुराक दिलाएं। फाइलेरिया ऐसी बीमारी है जिसका प्रसार एक बार व्यक्ति के शरीर में हो जाए तो वह कभी भी ठीक नहीं हो सकता है। सिर्फ इसके लिए दवा का पूर्व सेवन ही जरूरी होता है।

उपायुक्त ने कहा कि जिन किसानों के पास अभी भी धान बचा हुआ है और वे अपना धान सरकार को बेचना चाहते हैं वैसे किसान अभी भी अपना धान अपने नजदीकी लैम्पस में जा कर बेच सकते हैं। किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा। साथ ही, इस वर्ष के खरीफ फसल की बेहतर पैदावार के लिए सभी मुखिया अपने किसानों के साथ लैम्पस/पैक्स के साथ बैठक कर अपनी योजना बनाएं।

उपायुक्त ने कहा कि जिन पंचायतों में चापाकल खराब हैं उससे संबंधित सूची सभी मुखियागण उपलब्ध कराएं। सभी खराब चापाकलों की मरम्मती करायी जाएगी।

जिन गांवों/पंचायतों में बिजली की समस्या है इसकी सूचना त्वरित विद्युत प्रमण्डल लोहरदगा को दें।

बैठक में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा अन्य सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारीगण व अन्य उपस्थित थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com